वर्ष : 34 | अंक : 327 | मुंबई, मंगलवार, 3 फरवरी 2026 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल | संरक्षक : एन. के. पुरोहित

- मुंबई को 6 फरवरी तक मिलेगा नया मेयर, पार्षदों का पंजीकरण शुरू
- मुख्यालय में गूंजे 'जय श्री राम' के नारे
- बीजेपी और शिंदे सेना के बीच 'शक्ति प्रदर्शन' तेज

DBD
दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

मेयर की रेसः 'सामान्य महिला' आरक्षण ने बढ़ाई दावेदारों की धड़कनें

लॉटरी प्रक्रिया के अनुसार, इस बार मुंबई के मेयर का पद 'सामान्य वर्ग की महिला' के लिए आरक्षित है। बीजेपी के भीतर इस प्रतिष्ठित पद के लिए अनुभवी चेहरों की तलाश तेज हो गई है। वर्तमान में दो नाम सबसे आगे चल रहे हैं। माहिम-दादर जैसे गढ़ से जीत दर्ज करने वाली शीतल को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का करीबी माना जाता है। वे प्रखर वक्ता हैं और मराठी मतदाताओं के बीच अच्छी पकड़ रखती हैं। घाटकोपर से दूसरी बार पार्षद बनीं रितु तावड़े अपनी प्रशासनिक समझ और जमीनी पकड़ के लिए जानी जाती हैं। इनके अलावा अलका केरकर और तेजस्वी घोषालकर के नामों की भी चर्चा जोरों पर है।

बीएमसी में पहली बार 'भाजपा राज'

गणेश खनकर और अमेय घोले बने 'गुट नेता'

सत्ता गठन की प्रक्रिया के तहत सोमवार को आधिकारिक तौर पर गुट नेताओं की घोषणा की गई। बोरीवली (वार्ड 7) से जीतने वाले गणेश खनकर को बीजेपी का गटनेता नियुक्त किया गया है। वडाला के अनुभवी पार्षद अमेय घोले को शिंदे गुट की कमान सौंपी गई है। विपक्षी खेमे से शिवसेना (UBT) ने पूर्व मेयर किशोरी पेडनेकर को ही पुनः गुट नेता की जिम्मेदारी दी गई है।

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के गलियारों में सोमवार को एक नया उत्साह देखने को मिला। 2026 के निकाय चुनावों में ऐतिहासिक जीत के बाद भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और शिवसेना (शिंदे गुट) के नवनिर्वाचित पार्षद पहली आधिकारिक बैठक के लिए मुख्यालय पहुंचे। बीजेपी के 89 पार्षदों ने मुंबई अध्यक्ष अमीत साटम के नेतृत्व में 'जय श्री राम' के नारों के साथ सदन में अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज कराई। यह पहली बार है जब बीजेपी बीएमसी में अकेले सबसे बड़े दल के रूप में उभरी है। 227 सदस्यीय सदन में महायुति (बीजेपी 89 + शिंदे सेना 29 + अजित पवार गुट 3) के पास कुल 121 पार्षदों का समर्थन है, जो बहुमत के आंकड़े (114) से कहीं अधिक है।

बीजेपी-शिवसेना का अलग-अलग रजिस्ट्रेशन

लंबी चर्चा के बाद बीजेपी और शिवसेना (शिंदे) ने संयुक्त पंजीकरण के बजाय अलग-अलग गुट बनाने का निर्णय लिया है। महानगरपालिका चुनाव के परिणाम आए हुए 15 दिन से ज्यादा समय बीत गए हैं, इसके बावजूद स्पष्ट बहुमत होने के बाद भी बीजेपी-शिवसेना (शिंदे) महायुति की गुट पंजीकरण प्रक्रिया रुकी हुई थी. संयुक्त या स्वतंत्र गुट पंजीकरण को लेकर सहमति न बनने के कारण फैसला टलता रहा. इसके अलावा पिछले हफ्ते उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन के बाद घोषित सरकारी शोक के चलते प्रक्रिया और आगे बढ़ गई. आखिरकार सोमवार को बीजेपी और शिवसेना (शिंदे) ने स्वतंत्र गुट पंजीकरण का निर्णय लिया.

दोनों राष्ट्रवादी के 3 नगरसेवक शिंदे गुट के साथ

दोनों राष्ट्रवादी के 3 नगरसेवक शिवसेना (शिंदे) के साथ गुट पंजीकरण करेंगे. इससे शिवसेना (शिंदे) गुट की संख्या 29 से बढ़कर 32 हो जाएगी. महायुति के घटक दलों ने इस संबंध में प्रस्ताव सोमवार को पालिका मुख्यालय में पारित किया. इस मौके पर मुंबई बीजेपी अध्यक्ष अमित साटम और मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा भी उपस्थित थे.

6 फरवरी तक मिलेगा मुंबई को नया मेयर

सभी दलों ने कोंकण भवन में पार्षदों के पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। महायुति के भीतर अब मेयर और डिप्टी मेयर के पदों के साथ-साथ महत्वपूर्ण वैधानिक समितियों (जैसे स्थायी समिति और सुधार समिति) के बंटवारे पर मंथन चल रहा है। सूत्रों की मानें तो बीजेपी मेयर पद अपने पास रखेगी, जबकि डिप्टी मेयर का पद शिंदे गुट को दिया जा सकता है। अगले 48 घंटों में नामांकन की तारीखों का ऐलान होने की संभावना है, जिससे मुंबई के नए 'नगरसेवक' की तस्वीर साफ हो जाएगी।

ब्रीफ न्यूज़

मंत्रालय में सुनेत्रा पवार को आवंटित हुआ अजित पवार का केबिन

मुंबई। महाराष्ट्र की पहली महिला उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने मंत्रालय में विधिवत कामकाज संभालने की तैयारी पूरी कर ली है। राज्य सरकार ने उन्हें मंत्रालय की मुख्य इमारत की छठी मंजिल पर उत्तर दिशा वाला वह केबिन आवंटित किया है, जहाँ पहले दिवंगत नेता अजित पवार बैठते थे। 31 जनवरी को पदभार ग्रहण करने के बाद सुनेत्रा को राकांपा (अजित गुट) का विधानमंडल दल नेता भी चुना गया है। उन्हें राज्य उत्पाद शुल्क, खेल व युवक कल्याण और अल्पसंख्यक विकास जैसे महत्वपूर्ण विभागों की जिम्मेदारी दी गई है, जबकि वित्त विभाग मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अपने पास रखा है।

सोनम वांगचुक ने 'जेन जी' को उकसाने की कोशिश की : केंद्र

नई दिल्ली। केंद्र और लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश के प्रशासन ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि जेल में बंद जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने नेपाल और बांग्लादेश की तरह विरोध-प्रदर्शन के लिए 'जेन जी' को उकसाने की कोशिश की थी। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति पी.वी. वराले की पीठ को सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि वांगचुक ने 'अरब स्प्रिंग' जैसे आंदोलन का भी जिक्र किया था। इस आंदोलन के कारण अरब जगत के कई देशों में सरकारें गिर गई थीं। मेहता ने कहा कि उन्होंने 'जेन जी' को उकसाने के लिए अपने भाषण को सावधानीपूर्वक तैयार किया और नेपाल और बांग्लादेश की तरह आंदोलन करने का आह्वान किया तथा महात्मा गांधी के भाषणों का इस्तेमाल अपने असली इरादे को छिपाने के लिए किया।

बारामती के विद्या प्रतिष्ठान परिसर में बनेगा अजित पवार का स्मारक

बारामती। महाराष्ट्र के दिवंगत उपमुख्यमंत्री अजित पवार का स्मारक बारामती स्थित विद्या प्रतिष्ठान परिसर में बनाए जाने की योजना है। यह जानकारी पवार परिवार के एक करीबी सहयोगी ने दी। अजित पवार की 28 जनवरी को पुणे जिले के बारामती हवाई पट्टी के पास हुए विमान हादसे में चार अन्य लोगों के साथ मौत हो गई थी। अजित पवार के करीबी सहयोगी और पवार परिवार के विश्वासपात्र किरण गुर्जर ने रविवार को बताया कि स्मारक उसी विद्या प्रतिष्ठान परिसर में बनाया जाएगा, जहां उनका अंतिम संस्कार किया गया था। उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में न्यासियों के साथ चर्चा कर स्मारक के स्वरूप और डिजाइन को अंतिम रूप दिया जाएगा।

बीएमसी का 'बायलॉज़' एक्शन

गंदगी फैलाई तो जेब होगी ढीली, थूकने पर 250 और मलबे पर 25,000 जुर्माना

धीरज सिंह | मुंबई

देश की आर्थिक राजधानी को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए बृहन्मुंबई नगर निगम (BMC) ने अब 'सख्ती' का रास्ता अख्तियार कर लिया है। सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने, थूकने या अनधिकृत रूप से मलबा डंप करने वालों के खिलाफ बीएमसी ने कड़े दंडात्मक प्रावधान लागू किए हैं। मनपा आयुक्त भूषण गगरानी के निर्देशानुसार, शहर की स्वच्छता बनाए रखने के लिए अब नियमित निगरानी की जाएगी। अतिरिक्त मनपा आयुक्त (शहर) अश्विनी जोशी ने स्पष्ट किया कि 'बायलॉज़' के नए नियम सभी नागरिकों और व्यावसायिक संस्थानों पर समान रूप से लागू होंगे, ताकि कचरा प्रबंधन को विश्वस्तरीय बनाया जा सके।

थूकने से लेकर मलबा फेंकने तक; जुर्माने की पूरी सूची

बीएमसी द्वारा लागू किए गए नए बायलॉज़ के तहत कुल 21 अलग-अलग श्रेणियों में जुर्माने का प्रावधान है। अब सड़कों या फुटपाथ पर थूकने वालों से 250 वसूले जाएंगे, जबकि कचरा फेंकने पर 500 का दंड लगेगा। सार्वजनिक स्थानों पर नहाने पर 300 और पेशाब या शौच करने पर 500 का जुर्माना तय किया गया है। सबसे बड़ी कार्रवाई निर्माण कार्य के मलबे (Debris) को लेकर होगी; बिना लाइसेंस के तोड़-फोड़ का कचरा ले जाने वाले वाहनों पर 25,000 का भारी जुर्माना लगाया जाएगा। इसके अलावा, खुले में जानवरों को खाना खिलाने या सार्वजनिक स्थानों पर कपड़े धोने वालों पर भी 300 से 500 तक की कार्रवाई होगी।

कचरे का वर्गीकरण न करने पर भी होगी कार्रवाई

प्रशासन ने न केवल गंदगी फैलाने बल्कि कचरे के उचित निपटान पर भी ध्यान केंद्रित किया है। यदि कोई व्यक्ति गीला और सूखा कचरा अलग-अलग डस्टबिन में नहीं रखता है, तो उस पर 200 और बड़े संस्थानों पर 1000 का जुर्माना लगेगा। व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए बड़ी मात्रा में कचरा जलाने पर 10,000 और मीट व मछली के कचरे का सही प्रबंधन न करने पर 750 का दंड वसूला जाएगा। बीएमसी ने चेतावनी दी है कि सार्वजनिक कार्यक्रमों के बाद 4 घंटे के भीतर सफाई न होने पर जमा की गई 'सफाई डिपॉजिट' जब्त कर ली जाएगी।

पुणे पोर्शे मामला

3 आरोपियों को जमानत

रक्त के नमूनों से छेड़छाड़ का था आरोप

पुणे/नई दिल्ली। महाराष्ट्र के चर्चित पुणे पोर्शे कार हादसा मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को नाबालिग आरोपी के रक्त के नमूनों से छेड़छाड़ करने वाले 3 आरोपियों को जमानत दे दी। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और उज्ज्वल भुयान की पीठ ने आदित्य सूद, आशीष मित्तल और संतोष गायकवाड़ को 18 महीन से जेल में होने के कारण जमानत दे दी। पीठ ने शर्तों के साथ जमानत दी है और उल्लंघन पर जमानत रद्द होने की चेतावनी दी।

मामले में आरोपी मित्तल मुख्य आरोपी के पिता का दोस्त है, जबकि सूद उस लड़के का पिता है जो कार की पिछली सीट पर बैठा था। गायकवाड़ एक बिचौलिए का काम करता है जिसने रक्त परीक्षण में हेराफेरी करने के लिए आरोपी के परिजनों से 3 लाख रुपये घूस लिए थे। बॉम्बे हाई कोर्ट ने दिसंबर 2025 में जमानत याचिका खारिज कर दी थी और आरोपियों के आर्थिक संपन्न होने के कारण गवाहों को प्रभावित करने का खतरा जताया था।

कोर्ट ने क्या कहा?

कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि कार की पिछली सीट पर बैठे नाबालिग के खिलाफ कोई आरोप नहीं है। आरोप लगने के बाद से वे 18 महीने से जेल में हैं।

कोर्ट ने कहा कि दुर्घटना के लिए जिम्मेदार चालक के खिलाफ सजा 3 साल की है, नाबालिग पर किशोर न्याय बोर्ड में मुकदमा चल रहा है। इसलिए उनकी निरंतर कैद से बहुत नुकसान होगा। कोर्ट ने तीनों को निचली अदालत की शर्तों पर जमानत देने को कहा है।

क्या है पुणे पोर्शे कार मामला?

19 मई, 2024 को पुणे के कल्याणी नगर में रात ढाई बजे पोर्शे कार से नाबालिग ने बाइक सवार इंजीनियर महिला-पुरुष को टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौत हो गई। मामले में नाबालिग आरोपी को कोर्ट ने सिर्फ निबंध लिखने की सजा दी, जिसका विरोध हुआ। इसके बाद आरोपी की जमानत रद्द हुई। हालांकि, बॉम्बे हाई कोर्ट ने राहत दी। मामले में किशोर के पिता, डॉक्टर अजय टावरे, श्रीहरि हलनोर, अस्पताल कर्मचारी अतुल घाटकांबले और दो बिचौलिए जेल में थे।

बच्चों में 'डिजिटल लत' के अध्ययन के लिए टास्क फोर्स गठित

मुंबई। महाराष्ट्र के सूचना प्रौद्योगिकी (IT) मंत्री एडवोकेट आशीष शेलार ने राज्य के बच्चों में बढ़ती डिजिटल लत और सोशल मीडिया के दुष्प्रभावों के गहन अध्ययन के लिए विशेषज्ञों की एक 'टास्क फोर्स' गठित करने के निर्देश दिए हैं। यह निर्णय केंद्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा हाल ही में (29 जनवरी 2026) जारी आर्थिक सर्वेक्षण की रिपोर्ट के बाद लिया गया है, जिसमें युवाओं और नाबालिगों में सोशल मीडिया की लत को भविष्य के लिए गंभीर खतरा बताया गया था। मंत्री शेलार ने आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि महाराष्ट्र में 18 वर्ष से कम आयु के लगभग 4 करोड़ बच्चे हैं। 'इंडियन साइकियाट्रिक सोसाइटी' के निष्कर्षों के अनुसार, 50 प्रतिशत से अधिक मानसिक बीमारियां 18 वर्ष की आयु से पहले ही शुरू हो जाती हैं, जिसका एक मुख्य कारण अनियंत्रित स्क्रीन टाइम और डिजिटल निर्भरता है।

मुंडवा जमीन घोटाला

पार्थ पवार को राहत

1886 पन्नों की चार्जशीट में नाम शामिल नहीं, शीतल तेजवानी मुख्य आरोपी

पुणे। पुणे जिले के चर्चित मुंडवा जमीन घोटाले में उपमुख्यमंत्री अजित पवार के बेटे पार्थ पवार और उनके सहयोगी दिग्विजय पाटिल को कानूनी मोर्चे पर बड़ी राहत मिली है। सोमवार को पुणे की खड़क क्राइम ब्रांच ने पुणे अदालत में 1886 पन्नों की विस्तृत चार्जशीट पेश की। इस दस्तावेज में पुलिस ने केवल शीतल तेजवानी को ही आरोपी के रूप में नामजद किया है। जांच अधिकारियों के अनुसार, अब तक की छानबीन में पार्थ पवार या उनके सहयोगियों की इस घोटाले में संलिप्तता के कोई पुख्ता तथ्य या सबूत नहीं मिले हैं।

अंजली दमानिया ने उठाए सवाल, बताया 'न्याय का मजाक'

इस चार्जशीट के सामने आने के बाद मामले को उजागर करने वाली समाजसेविका अंजली दमानिया ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। दमानिया ने सोशल मीडिया के माध्यम से सिस्टम पर सवाल उठाते हुए पूछा कि क्या महाराष्ट्र केवल राजनीतिक दलाली का अड्डा बनकर रह गया है? उन्होंने आरोप लगाया कि कानून केवल आम आदमी के लिए सख्त है, जबकि रसूखदार नेताओं के लिए न्याय के मायने बदल जाते हैं। दमानिया ने कहा कि केवल शीतल तेजवानी के खिलाफ चार्जशीट फाइल करना और पार्थ पवार व दिग्विजय पाटिल की भूमिका की अनदेखी करना न्याय का मजाक उड़ाने जैसा है।

जिप और पंच चुनाव

मतदान के लिए सवैतनिक छुट्टी अनिवार्य

उल्लंघन करने वाली कंपनियों पर होगी कार्रवाई

श्रम विभाग ने जारी किया परिपत्र

मुंबई। महाराष्ट्र के 12 जिला परिषदों और 125 पंचायत समितियों (PS) के लिए आगामी 7 फरवरी 2026 को होने वाले मतदान के मद्देनजर राज्य सरकार ने मतदाताओं के लिए बड़ी राहत की घोषणा की है। राज्य के श्रम विभाग द्वारा जारी एक आधिकारिक परिपत्र के अनुसार, चुनावी क्षेत्रों में आने वाले सभी प्रतिष्ठानों, कंपनियों और औद्योगिक उपक्रमों को मतदान के दिन अपने कर्मचारियों को सवैतनिक छुट्टी देनी होगी। यदि छुट्टी देना संभव न हो, तो कर्मचारियों को मतदान के लिए कम से कम दो से तीन घंटे की देरी से काम पर आने या रियायत देने का निर्देश दिया गया है।

इन जिलों में होगा चुनाव

जिन 12 जिला परिषदों और संबंधित पंचायत समितियों में चुनाव होने हैं, उनमें मुख्य रूप से रायगड, रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग, पुणे, सातारा, सांगली, सोलापुर, कोल्हापुर, छत्रपति संभाजीनगर, परभणी, लातूर और धाराशीव शामिल हैं। इन क्षेत्रों में 7 फरवरी को सुबह से शाम तक मतदान प्रक्रिया चलेगी, जबकि 9 फरवरी को मतगणना होगी।

आईटी कंपनियों और मॉल्स पर भी रहेगा आदेश प्रभावी

सरकार का यह आदेश व्यापक स्तर पर लागू होगा। इसमें सभी निजी कंपनियां, आईटी हब, शॉपिंग सेंटर, मॉल्स, रिटेलर्स, आवासीय होटल, रेस्टोरेंट, नाट्यगृह और व्यापारिक प्रतिष्ठान शामिल हैं। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि चुनावी क्षेत्रों के मतदाताओं के साथ-साथ महाराष्ट्र के सीमावर्ती इलाकों में काम करने वाले सरकारी और निजी कर्मियों को भी यह रियायत दी जाए ताकि वे अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें।

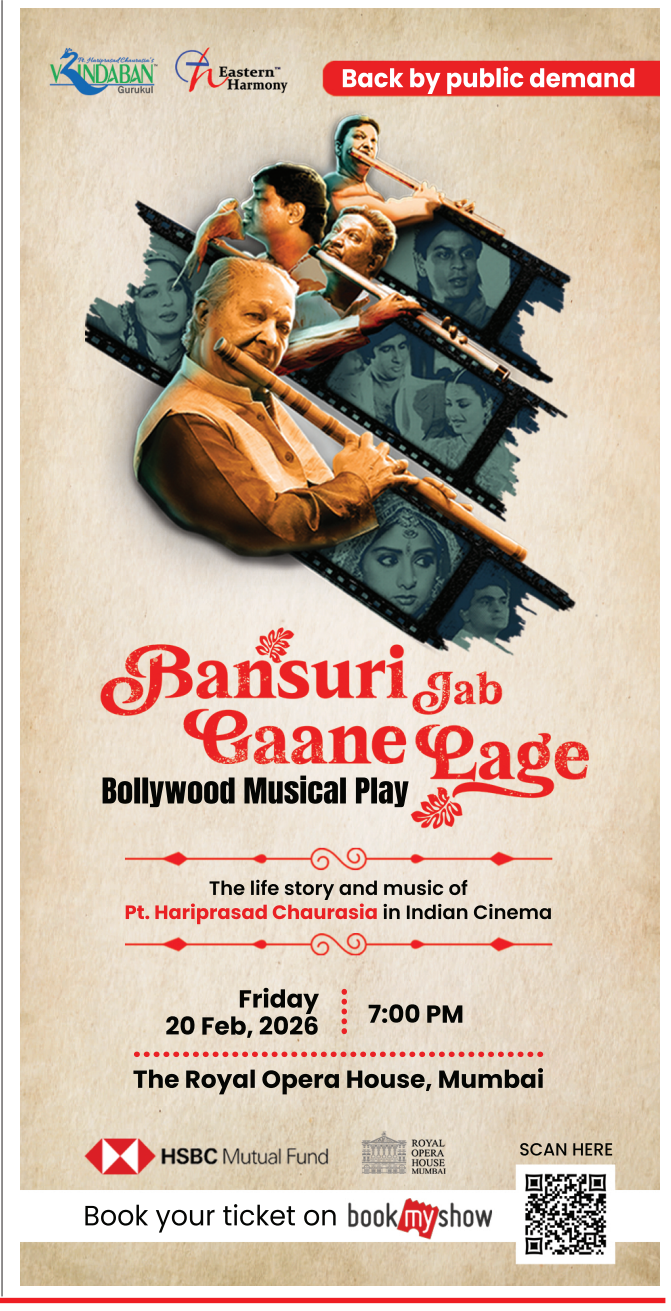

न्यूज ब्रीफ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व ने निवेशकों में भरोसा पैदा किया: विश्वास पाठक

ठाणे। भाजपा के मुख्य प्रवक्ता विश्वास पाठक ने सोमवार को ठाणे में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि आज भारत का ग्रोथ ग्राफ 7.5 प्रतिशत पर है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व ने निवेशकों में भरोसा पैदा किया है। उन्होंने कहा कि मोदी के कार्यकाल में देश की अर्थव्यवस्था तेज़ी से आगे बढ़ी है, जिसके लिए वित्तीय अनुशासन अहम भूमिका निभा रहा है। पाठक के अनुसार इस वर्ष पिछले साल की तुलना में फिस्कल डेफिसिट में कमी आई है, जो मजबूत आर्थिक प्रबंधन का संकेत है। उन्होंने यह भी कहा कि आम जनता को ध्यान में रखकर यह बजट तैयार किया गया है, ताकि इसका सीधा लाभ लोगों तक पहुंच सके।

मुंबई के पार्कों और मैदानों में एसआरए योजनाओं पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

नई दिल्ली/मुंबई। मुंबई में लगातार सिमटते खुले स्थानों और पार्कों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। सोमवार को मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने महाराष्ट्र सरकार, बृहन्मुंबई नगर निगम (BMC) और झुग्गी पुनर्वास प्राधिकरण (SRA) से उस याचिका पर जवाब मांगा है, जिसमें आरक्षित भूखंडों पर निर्माण की अनुमति देने वाले बॉम्बे हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती दी गई है। यह मामला मुंबई के पर्यावरण और नागरिकों के 'सांस लेने के अधिकार' से सीधे तौर पर जुड़ा है। दरअसल, बॉम्बे हाई कोर्ट ने जून 2025 में 'डेवलपमेंट कंट्रोल एंड प्रमोशन रेगुलेशंस 2034' (DCPR) के नियम 17 की वैधता को बरकरार रखा था। यह नियम प्रशासन को उन भूखंडों पर भी झुग्गी पुनर्वास योजनाएं लागू करने की शक्ति देता है, जो मूल रूप से पार्क, बगीचे या खेल के मैदान के लिए आरक्षित हैं। हाई कोर्ट ने यह फैसला 'सिर छिपाने के अधिकार' और 'हरियाली' के बीच संतुलन बनाने के तर्क के साथ दिया था, बशर्ते जमीन का एक हिस्सा वापस जनता को बहाल किया जाए।

विमान दुर्घटना पर राजनीति न करें, जांच पूरी होने दें: भाजपा

मुंबई। महाराष्ट्र भाजपा के मंत्रियों ने सोमवार को विपक्षी दलों से पुणे जिले में हुई विमान दुर्घटना में पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार की दुखद मौत का राजनीतिकरण न करने की अपील करते हुए कहा कि हादसे की जांच जारी है और इसके नतीजों का इंतजार किया जाना चाहिए। जल संसाधन मंत्री गिरीश महाजन ने कहा कि पूरा राज्य अजित पवार के निधन से शोक में है और विपक्ष द्वारा कथित फाइलों को दुर्घटना से जोड़ना अनुचित है, जबकि भाजपा मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने बताया कि विमान का ब्लैक बॉक्स बरामद कर उसका विश्लेषण किया जा रहा है, जिससे हादसे के कारण स्पष्ट होंगे। यह प्रतिक्रिया शिवसेना (उबाठा) सांसद संजय राउत सहित विपक्षी नेताओं के उन बयानों के बाद आई है, जिनमें उन्होंने अजित पवार की मृत्यु को 'रहस्यमय' बताते हुए भाजपा से जुड़े कथित घोटालों की फाइलों का उल्लेख किया और यह दावा किया कि पवार भाजपा से नाता तोड़कर शरद पवार के साथ जाने वाले थे।

लॉकअप से फरार शातिर अपराधी 10 घंटे में फिर गिरफ्तार

सफाई के दौरान पुलिस को चकमा देकर हुआ था फरार

डीबीडी संवाददाता | भाईंदर

नवघर पुलिस थाने की लॉकअप से फरार होने वाले शातिर अपराधी अब्दुल मनिहार को अपराध शाखा ने महज 10 घंटे के भीतर दोबारा दबोच लिया है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, मनिहार एक पेशेवर अपराधी है जिसके खिलाफ पहले से ही कई मामले दर्ज हैं। 31 जनवरी को उसे चोरी के आरोप में गिरफ्तार किया गया था और अदालत ने उसे 3 फरवरी तक पुलिस हिरासत में भेजा था। रविवार सुबह करीब 9 बजे जब सेल की सफाई चल रही थी, तभी मौका पाकर वह ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को चकमा देकर थाने से भाग निकला था।

कांदिवली में छिपा था आरोपी, जाल बिछाकर पकड़ा

हवालात से फरार होने के बाद आरोपी अब्दुल मनिहार छिपने के लिए कांदिवली गया था, लेकिन वहां ठिकाना न मिलने के कारण वह वापस मीरा रोड की ओर लौटा। नवघर पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीमों को गोपनीय सूत्रों से जानकारी मिली कि आरोपी मीरा रोड स्थित 'एसके स्टोन' के पास आने वाला है। इस सूचना पर पुलिस ने तत्काल जाल बिछाया और रात करीब 8 से 9 बजे के बीच उसे घेराबंदी कर फिर से गिरफ्तार कर लिया। इस त्वरित कार्रवाई ने पुलिस प्रशासन की सतर्कता को साबित किया है।

पुरानी घटना की यादें ताज़ा

इस घटना ने 5 सितंबर 2023 की उस खौफनाक वारदात की याद दिला दी, जब सेंट्रल क्राइम ब्रांच की हिरासत से हैफ़त कालू अली नामक गुंडा फरार हुआ था। उस समय आरोपी ने बेड़ियों से हाथ निकालकर ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी जयकुमार राठौड़ के सिर पर लोहे की रॉड से हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया था और मोबाइल लेकर भाग गया था। हालांकि, उस मामले में भी पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को कुछ ही घंटों में गिरफ्तार कर लिया था।

उल्हासनगर में महापौर–उप महापौर की घोषणा महज औपचारिकता

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

उल्हासनगर महानगरपालिका चुनाव के बाद शिवसेना की अश्विनी कमलेश निकम निर्विरोध महापौर चुनी गई हैं, जबकि भाजपा के अमर लुंड उप महापौर निर्वाचित हुए हैं। दोनों पदों की आधिकारिक घोषणा आज तीन फरवरी को होने वाली आम सभा में की जाएगी। अन्य कोई नामांकन न होने के कारण यह प्रक्रिया केवल औपचारिकता बनकर रह गई है।

नामांकन प्रक्रिया में नहीं आया कोई प्रतिद्वंद्वी

मनपा प्रशासन की ओर से महापौर और उप महापौर पद के लिए चुनाव की अधिसूचना जारी की गई थी, जिसमें महापौर पद के लिए अश्विनी निकम और उप महापौर पद के लिए अमर लुंड ने नामांकन दाखिल किया। दोनों पदों के लिए किसी अन्य उम्मीदवार ने नामांकन नहीं भरा, जिससे शिवसेना-भाजपा के उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित घोषित हुए।

चुनाव बाद बना गठबंधन, कांग्रेस विपक्ष में

गौरतलब है कि शिवसेना और भाजपा ने उल्हासनगर मनपा चुनाव अलग-अलग लड़ा था और चुनाव प्रचार के दौरान एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप भी किए गए थे। भाजपा ने 37 सीटें जीतकर मामूली बढ़त हासिल की थी, जबकि शिवसेना को 36 सीटें मिलीं और उसे वंचित व अपक्ष का समर्थन भी प्राप्त हुआ। अंतत: दोनों दलों ने गठबंधन कर मनपा में सत्ता संभाली, जबकि कांग्रेस की अंजली सालवे अकेली विपक्षी पार्षद के रूप में नजर आएंगी।

टोरेंट पावर की केबल में सेंध लगाकर लाखों की बिजली चोरी

मीटर बायपास कर 8 हजार यूनिट से ज्यादा की खपत
दो उपभोक्ताओं पर मामला दर्ज

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

शांतिनगर पुलिस स्टेशन क्षेत्र में बिजली चोरी का एक बड़ा मामला प्रकाश में आया है, जहाँ मीटर को बायपास कर अवैध रूप से बिजली का उपयोग किया जा रहा था। पुलिस ने दरगाह रोड स्थित आलिया बिल्डिंग के निवासी खान मुदस्सर अख्तर और उजमा आरिफ शेख के खिलाफ विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के तहत मामला दर्ज किया है। आरोप है कि इन्होंने अपने आर्थिक लाभ के लिए टोरेंट पावर की आधिकारिक केबल से अवैध कनेक्शन जोड़कर लंबे समय तक सरकारी

2 लाख रुपये से अधिक का राजस्व नुकसान

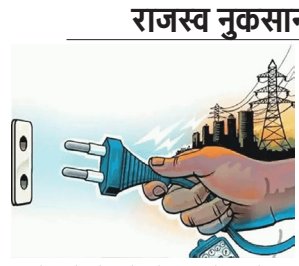

टोरेंट पावर के एक्जीक्यूटिव विकास राजेश प्रजापती द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, आरोपियों ने लो-टेंशन पोल से गुजरने वाली मुख्य केबल में अपनी अलग केबल जोड़ दी थी। जांच में खुलासा हुआ कि यह धांधली 2 मार्च 2020 से 11 मार्च 2022 के बीच की गई। इस अवधि के दौरान कुल 8,022 यूनिट बिजली चोरी की गई, जिससे कंपनी को 2,02,232 रुपये का वित्तीय नुकसान हुआ है। इस मामले की औपचारिक शिकायत 31 जनवरी 2026 को दर्ज कराई गई, जिसकी प्राथमिक सूचना पुलिस को ई-मेल के जरिए भी दी गई थी।

कानूनी कार्रवाई और पुलिस की चेतावनी

फिलहाल सहायक पुलिस निरीक्षक अरुण घोलप इस मामले की विस्तृत जांच कर रहे हैं। हालांकि अभी तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई है, लेकिन पुलिस ने सख्त कार्रवाई के संकेत दिए हैं। इसी के साथ पुलिस और प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे अवैध बिजली कनेक्शन से दूर रहें।

अलग-अलग इलाकों से दो नाबालिग लापता

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

शहर में एक के बाद एक सामने आई गंभीर घटनाओं ने भिवंडीवासियों की चिंता बढ़ा दी है। नारपोली और शांतिनगर थाना क्षेत्र से दो नाबालिग बच्चों के अपहरण की घटनाएं सामने आई हैं, जबकि भिवंडी शहर पुलिस स्टेशन क्षेत्र में मारपीट की एक घटना में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने तीनों मामलों में अलग-अलग धाराओं के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

काल्हेर से 12 वर्षीय अंशु का अपहरण

नारपोली पुलिस स्टेशन में दर्ज अपराध क्रमांक 82/2026 के अनुसार, काल्हेर स्थित शंकर समृद्धि बिल्डिंग परिसर से 31 जनवरी 2026 को दोपहर 12.30 से 1.30 बजे के बीच 12 साल 6 महीने के बालक अंशु का अपहरण कर लिया गया। पीड़ित पिता अरविंदकुमार कांताप्रसाद गौड (39) ने शिकायत में बताया कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने बच्चे की नासमझी का फायदा उठाकर उसे बहला-फुसलाकर कानूनी अभिरक्षा से भगा लिया। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2) के तहत मामला दर्ज किया है। जांच पुलिस उपनिरीक्षक पंडित हिमतराव वाघ कर रहे हैं।

एक अन्य घटना में पिटाई से युवक गंभीर घायल
तीन थानों में मामले दर्ज

शांतिनगर से 9 साल का रजाक लापता

इसी तरह शांतिनगर पुलिस स्टेशन में अपराध क्रमांक 177/2026 दर्ज किया गया है। न्यू आजाद नगर इलाके में रहने वाले फिरोज शकील साह (57) ने शिकायत में बताया कि उनका 9 वर्षीय बेटा रजाक 31 जनवरी को दोपहर करीब 12 बजे घर के सामने खेल रहा था, लेकिन वापस नहीं लौटा। काफी तलाश के बावजूद बच्चे का कोई सुराग नहीं लग पाया। पुलिस को आशंका है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने बच्चे को अपहरण कर लिया है।

धामणकर नाका पर मारपीट, युवक गंभीर

भिवंडी शहर पुलिस स्टेशन क्षेत्र के धामणकर नाका चौकी के पास 1 फरवरी 2026 की सुबह करीब 11 बजे मारपीट की घटना हुई। पुलिस के अनुसार, पुराने विवाद को लेकर रक्षा राकेश वाघे (18) और एक विधि संघर्षित बालक ने महेश नामक युवक के साथ गाली-गलौज और हाथापाई की। धक्का लगने से महेश चौकी के स्लैब से नीचे सड़क पर गिर पड़ा, जिससे उसके सिर में गंभीर चोट आई। इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 125(ख), 115(2), 352 और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

जर्जर पानी टंकी से मानव कंकाल बरामद

पालघर/वसई। महाराष्ट्र के पालघर जिले के वसई इलाके में उस समय हड़कंप मच गया, जब एक 30 साल पुरानी जर्जर पानी की टंकी को ध्वस्त करने के दौरान मानव खोपड़ी और कंकाल के अवशेष बरामद हुए। सहायक पुलिस आयुक्त उमेश माने पाटिल ने सोमवार को जानकारी देते हुए बताया कि यह घटना शनिवार देर रात माणिकपुर इलाके में हुई। टंकी के मलबे से न केवल हड्डियाँ, बल्कि रविवार को छानबीन के दौरान कुछ पुराने कपड़े भी बरामद किए गए हैं। पुलिस का मानना है कि कपड़ों पर मौजूद दर्जी के मार्क या किसी खास निशान से मृतक की शिनाख्त में बड़ी मदद मिल सकती है। पुलिस इस मामले को बेहद गंभीरता से ले रही है क्योंकि इसी इलाके में पिछले साल तीन फेरीवालों की गला घोंटकर बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। एसीपी पाटिल ने बताया कि पुलिस इस संभावना की भी गहनता से जांच कर रही है कि क्या इस कंकाल का संबंध उन हत्याओं या किसी सक्रिय 'सीरियल किलर' से तो नहीं है।

एटीएम मशीनों की सुरक्षा राम भरोसे

कार्ड एक्सचेंज कर ठगी करने वाला गिरोह सक्रिय

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

भिवंडी शहर और आसपास के इलाकों में बैंकों के एटीएम अब सुरक्षित लेन-देन के बजाय ठगी और लूट के केंद्र बनते जा रहे हैं। शहर में बैंकों द्वारा लगाए गए एटीएम केंद्रों की सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। खर्च बचाने के चक्कर में अधिकांश बैंकों ने एटीएम केंद्रों से सुरक्षा गार्ड हटा लिए हैं और कई जगहों पर सीसीटीवी कैमरे भी शोपीस बने हुए हैं। सुरक्षा के इसी अभाव का फायदा उठाकर चोर और ठग अब दिन-दहाड़े वारदातों को अंजाम दे रहे हैं, जिससे आम नागरिकों और खाताधारकों में दहशत का माहौल है।

कार्ड बदलकर ट्रांसपोर्ट व्यवसायी से 75 हजार की ठगी

ताजा मामला नारपोली पुलिस स्टेशन क्षेत्र का है, जहाँ एक अज्ञात ठग ने बड़ी चालाकी से वारदात को अंजाम दिया। ठाणे के बालकुम निवासी मानधाता सिंह (57) जब काल्हेर स्थित एचडीएफसी बैंक के एटीएम से पैसे निकालने पहुंचे, तो वहां पहले से मौजूद एक अज्ञात व्यक्ति ने बातचीत के बहाने उनका ध्यान भटकाया। ठग ने उनके असली कार्ड को नकली कार्ड से बदल दिया और कुछ ही देर में उनके खाते से 75,500 रुपये साफ कर दिए। इस संबंध में 31 जनवरी को पुलिस ने मामला दर्ज किया है। इससे पहले अंजुरफाटा और कोनगांव में भी गैस कटर से एटीएम मशीनें काटकर करीब 20 लाख रुपये की चोरी की घटनाएं सामने आ चुकी हैं।

बैंकों की लापरवाही और प्रशासन की विफलता पर सवाल

भिवंडी जैसे औद्योगिक केंद्र में, जहाँ सैकड़ों एटीएम मशीनें हैं, वहां सुरक्षा मानकों की अनदेखी भारी पड़ रही है। शिवाजी नगर स्थित यूनियन बैंक के एटीएम में तो चोरों ने कैमरे पर काला स्प्रे छिड़ककर करीब 10 लाख रुपये उड़ा लिए थे। पुलिस चोरी के मामले तो दर्ज कर रही है, लेकिन आरोपियों की गिरफ्तारी न होने से ठगों के हौसले बुलंद हैं। वहीं, बैंक अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ते नजर आ रहे हैं। जानकारों का कहना है कि जब तक बैंकों पर कड़े सुरक्षा मानकों के लिए दबाव नहीं बनाया जाएगा, तब तक आम आदमी की मेहनत की कमाई यूं ही लुटती रहेगी।

'सक्षम महोत्सव 2025-26' का आगाज़

नेचुरल तेल और गैस बचाना देश की सेवा है : मंगलप्रभात लोढ़ा

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र के कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा ने ईंधन संरक्षण को राष्ट्र निर्माण का अहम हिस्सा बताया है। सोमवार को मुंबई के प्रभादेवी में आयोजित 'सक्षम महोत्सव 2025-26' (संरक्षण क्षमता महोत्सव) को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्राकृतिक तेल और गैस की बचत करना सीधे तौर पर देश की सेवा करना है। लोढ़ा ने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' के विजन को साकार करने के लिए ऊर्जा संरक्षण अनिवार्य है और यह लक्ष्य जन-भागीदारी के माध्यम से ही हासिल किया जा सकता है।

पर्यावरण सुरक्षा और विदेशी मुद्रा की बचत पर जोर

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्रालय और राज्य सरकार के सहयोग से आयोजित इस महोत्सव का मुख्य उद्देश्य जीवाश्म ईंधन (Fossil Fuel) की बर्बादी को रोकना है। मंत्री लोढ़ा ने स्पष्ट किया कि तेल बचाने से न केवल विदेशी मुद्रा पर पड़ने वाला बोझ कम होगा, बल्कि ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में कमी लाकर पर्यावरण को भी सुरक्षित रखा जा सकेगा। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि सार्वजनिक परिवहन का अधिक से अधिक उपयोग करें। उन्होंने यह भी कहा कि वैश्विक राजनीति आज तेल के इर्द-गिर्द सिमटी हुई है, ऐसे में ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर होना देश की प्रगति के लिए अत्यंत आवश्यक है।

स्कूली शिक्षा और हरित ऊर्जा को प्राथमिकता

राज्य में हरित ऊर्जा (Green Energy) के क्षेत्र में हो रहे प्रयासों का उल्लेख करते हुए मंत्री लोढ़ा ने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में महाराष्ट्र भविष्य के ईंधन विकल्पों पर तेजी से काम कर रहा है। उन्होंने सुझाव दिया कि यदि स्कूली पाठ्यक्रम के माध्यम से बच्चों को बचपन से ही ईंधन बचाने का महत्व समझाया जाए, तो आने वाली पीढ़ी इसे एक जिम्मेदारी के रूप में अपनाएगी। कार्यक्रम में बीपीसीएल, एचपीसीएल और आईओसीएल जैसे पेट्रोलियम निकायों के वरिष्ठ अधिकारियों सहित भारी संख्या में स्कूली छात्र और ईंधन वितरक मौजूद थे।

तीन आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज

महिला पर लाठी से हमला

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

नारपोली पुलिस स्टेशन अंतर्गत मानकोली गांव में एक महिला के साथ बेरहमी से मारपीट का मामला प्रकाश में आया है। घटना 1 फरवरी 2026 की शाम करीब 7:30 बजे की है, जब गणेश शेठ की चॉल के पास रहने वाली 38 वर्षीय आमीरूलनिसा राजा खान पर उनके पड़ोसियों ने हमला कर दिया। जानकारी के अनुसार, विवाद की शुरुआत बच्चों के बीच हुए झगड़े से हुई थी, जिसकी पूछताछ करने पर आरोपी हिंसक हो गए और महिला को निशाना बनाया।

लकड़ी के डंडे से हमला, महिला गंभीर रूप से घायल

पुलिस रिपोर्ट के मुताबिक, जब आमीरूलनिसा ने झगड़े के विषय में बात करनी चाही, तो आरोपी सहीम खान, मोटू और अनारू ने उनके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। बहस इतनी बढ़ गई कि सहीम खान ने पास पड़े लकड़ी के डंडे से महिला के सिर पर जोरदार प्रहार कर दिया, जिससे वह लहूलुहान होकर गिर पड़ीं। अन्य आरोपियों ने भी उनके साथ मारपीट की। घायल महिला को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जिसके बाद उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

मामला दर्ज, आरोपियों की तलाश जारी

नारपोली पुलिस ने इस मामले में तत्परता दिखाते हुए 2 फरवरी 2026 को भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 118(1) और 3(5) के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस हवलदार मिलिंद पवार को जांच सौंपी गई है। फिलहाल तीनों नामजद आरोपी पुलिस की पकड़ से बाहर हैं और फरार बताए जा रहे हैं। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि आरोपियों की धरपकड़ के लिए टीमें रवाना कर दी गई हैं और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

मेट्रो लाइन 4 के लिए भांडुप में 325 टन के 'स्टील स्पैन' लॉन्च

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई मेट्रो लाइन 4 ने बुनियादी ढांचे के विकास की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। जब पूरा शहर नींद के आगोश में था, तब भांडुप वेस्ट में मेट्रो के काम ने एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर पार किया। यहाँ कुल 325 मीट्रिक टन वज़न वाले 3 विशाल स्टील स्पैन (Steel Spans) को सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया। इस चुनौतीपूर्ण कार्य को अंजाम देने के लिए 8 हेवी-ड्यूटी क्रेन और 12 मल्टी-एक्सल गाड़ियों का उपयोग किया गया, जिससे भारी भरकम ढांचों को बेहद सटीकता के साथ अपनी जगह पर स्थापित किया गया।

बेहतर तालमेल से समय की बचत

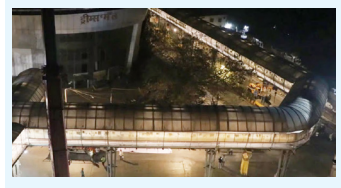

इस मिशन की सबसे बड़ी सफलता इसका तय समय से पहले पूरा होना रहा। एमएमआरडीए (MMRDA) की कुशल प्लानिंग और विभिन्न विभागों के बीच बेहतरीन तालमेल की बदौलत, जिस काम के लिए चार रातों का लक्ष्य रखा गया था, उसे मात्र दो रातों में ही पूरा कर लिया गया। इस सफलता के पीछे बीएमसी (BMC), बेस्ट (BEST), भांडुप ट्रैफिक पुलिस और स्थानीय निवासियों का सक्रिय सहयोग रहा। अधिकारियों ने बताया कि काम के दौरान इस बात का विशेष ध्यान रखा गया कि यातायात और नागरिकों को न्यूनतम परेशानी हो। इस विशाल निर्माण कार्य को सफल बनाने के लिए 35 अनुभवी इंजीनियरों, 100 से अधिक कुशल श्रमिकों, 70 ट्रैफिक वार्डन और 25 से ज्यादा पुलिसकर्मियों की एक समर्पित टीम तैनात की गई थी। इन स्टील स्पैन के सफल निर्माण के साथ ही मेट्रो लाइन 4 के मुख्य ढांचे का काम अब अंतिम चरणों की ओर बढ़ रहा है।

महाराष्ट्र के रेल नेटवर्क का होगा कायाकल्प

नई दिल्ली/मुंबई। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बजट वर्ष 2026-27 के तहत महाराष्ट्र के लिए 23,926 करोड़ के ऐतिहासिक रेल बजट आवंटन की घोषणा की है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मीडिया को संबोधित करते हुए उन्होंने बताया कि यह निवेश राज्य के रेल इतिहास में एक मील का पत्थर है। तुलनात्मक रूप से देखें तो वर्ष 2009-14 के दौरान महाराष्ट्र का औसत वार्षिक बजट महज 1,171 करोड़ था, जिसमें अब लगभग 20 गुना की भारी वृद्धि दर्ज की गई है। वर्तमान में राज्य के भीतर 1,70,058 करोड़ की कुल लागत वाले विभिन्न रेल प्रोजेक्ट्स पर काम चल रहा है। यात्री सुविधाओं को विश्वस्तरीय बनाने के लिए 'अमृत स्टेशन योजना' के तहत महाराष्ट्र के 132 स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है, जिसमें 5,675 करोड़ का निवेश शामिल है। अब तक लासलगांव, चिंचपोकली, देवलाली और वडाला रोड सहित 17 स्टेशनों का कायाकल्प पूरा हो चुका है। कनेक्टिविटी के मोर्चे पर भी राज्य अग्रणी भूमिका में है, जहाँ 12 जोड़ी 'वंदे भारत' और 5 जोड़ी 'अमृत भारत' ट्रेनों का सफल संचालन किया जा रहा है।

बजट में रिकॉर्ड 23,926 करोड़ का आवंटन, 20 गुना बढ़ी विकास की रफ़्तार

सदन में महायुति का बहुमत, समितियों में विपक्षी दलों का पलड़ा भारी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई महानगरपालिका (BMC) चुनाव के नतीजों के बाद अब वार्ड समितियों के अध्यक्ष पद को लेकर सियासी जोड़-तोड़ तेज हो गई है। हालांकि 227 सदस्यीय आम सभा में भाजपा-शिवसेना (महायुति) ने 118 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत हासिल कर लिया है, लेकिन वार्ड स्तर के समीकरण कुछ अलग कहानी बयां कर रहे हैं। आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि मुंबई की 18 वार्ड समितियों में से 9 पर विपक्षी गठबंधन (शिवसेना-UBT, कांग्रेस और AIMIM) का नियंत्रण रहने की संभावना है। वहीं, 8 समितियों पर महायुति का दबदबा रहेगा, जबकि एक समिति में मुकाबला बराबरी (टाई) पर छूट सकता है।

स्थानीय विकास और जवाबदेही पर पड़ेगा असर

वार्ड समितियां नगर प्रशासन की रीढ़ मानी जाती हैं, जिन्हें 5 लाख तक के स्थानीय कार्यों (जैसे सफाई, स्ट्रीट लाइट और जलापूर्ति) को मंजूरी देने का सीधा अधिकार होता है। सामाजिक कार्यकर्ताओं का मानना है कि यदि वार्ड समिति का अध्यक्ष विपक्षी दल का होता है, तो सत्ता पक्ष द्वारा विकास कार्यों में पक्षपात की गुंजाइश कम हो जाती है। माटुंगा के सामाजिक कार्यकर्ता निखिल देसाई के अनुसार, समितियों में विपक्ष की मौजूदगी से वार्ड के भीतर समान विकास की संभावना बढ़ती है। अब सबकी नजरें इस बात पर टिकी हैं कि क्या नागरिक प्रतिनिधियों के पदों पर वास्तव में आम नागरिकों को मौका मिलता है या फिर हार चुके नेताओं को पिछले दरवाजे से एंट्री दी जाती है।

इलाकों के अनुसार बंटा सत्ता का समीकरण

वार्ड समितियों के इस विभाजन ने मुंबई के राजनीतिक भूगोल को स्पष्ट रूप से बांट दिया है। वर्ली-प्रभादेवी, दादर, माहिम, बांद्रा और कुर्ला जैसे प्रमुख इलाके विपक्ष के गढ़ के रूप में उभरे हैं, जहाँ उनके निर्वाचित प्रतिनिधियों की संख्या अधिक है। दूसरी ओर, महायुति ने मालाबार हिल, अंधेरी, गोरेगांव, कांदिवली, बोरीवली और घाटकोपर जैसे अपने पारंपरिक मजबूत क्षेत्रों में पकड़ बनाए रखी है। विशेष रूप से गोवंडी वार्ड समिति की कमान एआईएमआईएम (AIMIM) के हाथों में जाने के संकेत मिल रहे हैं। यह स्थिति दर्शाती है कि मुख्य सत्ता महायुति के पास होने के बावजूद, स्थानीय स्तर पर विपक्ष की भूमिका अत्यंत मजबूत रहेगी।

दोनों एनसीपी का विलय रोकने को रची गई साजिश : वडेट्टीवार

मुंबई। कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने पूर्व उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के विमान हादसे को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आंशंका जताई है कि दोनों एनसीपी के विलय को रोकने के लिए कहीं न कहीं साजिश रची गई है। वडेट्टीवार ने कहा है कि भाजपा कह रही है कि यदि दोनों पार्टियों के विलय की बात होती तो अजीत पवार अपनी बात जरूर साझा करते। यह अजीत पवार की पार्टी का अंदरूनी मामला है। क्या कोई पार्टी भाजपा के कहने पर चलेगी? उन्होंने कहा कि यह साजिश कहीं न कहीं रची गई थी ताकि दोनों पार्टियां एक साथ न आ सकें। कोई भी यह मानने को तैयार नहीं है कि शपथ ग्रहण समारोह हमारी संस्कृति और हिंदू परंपरा के अनुसार हुआ है। लोगों का मानना है कि सुनेत्रा पवार ने इतनी जल्दी में यह फैसला भाजपा के दबाव में लिया होगा।

चाचा के सर्टिफिकेट के आधार पर भतीजा भी अनुसूचित जनजाति का हकदार

जांच समिति को 'वैलिडिटी सर्टिफिकेट' जारी करने का आदेश

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने जाति प्रमाण पत्र की वैधता को लेकर एक महत्वपूर्ण व्यवस्था दी है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि यदि किसी छात्र के करीबी खून के रिश्तेदार (जैसे कि सगे चाचा) को उचित जांच के बाद 'ठाकर' अनुसूचित जनजाति (ST) का प्रमाण पत्र जारी किया गया है, तो उसी परिवार के अन्य सदस्य को उसी दावे के लिए राहत देने से मना नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति एम. एस. कार्णिक और न्यायमूर्ति एस. एम. मोडक की पीठ ने 23 वर्षीय भावेश सदाशिव ठाकुर की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया। कोर्ट ने जांच समिति के उस तर्क को खारिज कर दिया जिसमें छात्र के पिता के उपनाम में 'ठाकर' की जगह 'ठाकुर' लिखे होने के कारण प्रमाण पत्र देने से इनकार किया गया था।

सार्वजनिक समय और धन की बर्बादी पर कोर्ट की टिप्पणी

पीठ ने जांच समिति की कार्यप्रणाली पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि यदि किसी व्यक्ति का खून का रिश्ता स्थापित हो चुका है और उसके एक रिश्तेदार को पहले ही एक विशेष जाति का होने की पुष्टि की जा चुकी है, तो समिति को दोबारा उसी सबूत की जांच करने और अलग निष्कर्ष निकालने में सार्वजनिक समय और पैसा बर्बाद नहीं करना चाहिए। अदालत ने माना कि यदि पहले जारी किया गया प्रमाण पत्र निर्धारित प्रक्रिया और उचित जांच के बाद दिया गया है, तो परिवार के अन्य सदस्यों के लिए वह एक वैध और बाध्यकारी प्रमाण माना जाना चाहिए। अदालत ने अनुसूचित जनजाति प्रमाण पत्र जांच समिति को निर्देश दिया है कि वह इस आदेश की तारीख से 6 सप्ताह के भीतर याचिकाकर्ता भावेश को 'ठाकर' अनुसूचित जनजाति का वैलिडिटी सर्टिफिकेट जारी करे। पीठ ने स्पष्ट किया कि चूंकि याचिकाकर्ता का 'ठाकर' जनजाति से संबंधित होने का दावा अब न्यायिक रूप से मान्य हो गया है, इसलिए समिति को इसमें देरी नहीं करनी चाहिए।

36 घंटों में 12 नाबालिग बच्चों के लापता होने का दावा गलत : मुंबई पुलिस

मुंबई। मुंबई में पिछले 36 घंटों के भीतर 12 नाबालिग बच्चों के लापता होने के दावे ने शहर में दहशत का माहौल पैदा कर दिया। सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे इस संदेश में दावा किया गया था कि शिवाजी पार्क, अंटॉप हिल और मानखुर्द जैसे इलाकों से संगठित गिरोहों द्वारा बच्चों का अपहरण किया जा रहा है। हालांकि, मुंबई पुलिस ने इस खबर का पूरी तरह खंडन करते हुए इसे 'भ्रामक और निराधार' बताया है। पुलिस ने स्पष्ट किया कि शहर में सामूहिक रूप से बच्चों के लापता होने की ऐसी कोई भी घटना दर्ज नहीं हुई है।

अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई

इस सनसनीखेज अफवाह को गंभीरता से लेते हुए मुंबई पुलिस ने फर्जी सूचना फैलाने वाले सोशल मीडिया अकाउंट्स के खिलाफ प्राथमिकी (FIR) दर्ज की है। पुलिस ने 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर आधिकारिक बयान जारी कर कहा कि समाज में डर और भ्रम पैदा करने के उद्देश्य से यह झूठ फैलाया गया है। पुलिस ने चेतावनी दी है कि डिजिटल माध्यमों पर जानबूझकर गलत जानकारी साझा करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा और उनके खिलाफ कठोर दंडात्मक कदम उठाए जाएंगे।

वायरल संदेश में 8 से 15 वर्ष की आयु के बच्चों, विशेषकर लड़कियों के लापता होने और मानव तस्करी गिरोहों की संलिप्तता जैसे गंभीर आरोप लगाए गए थे। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे ऐसी किसी भी अपुष्ट जानकारी पर आंख मूंदकर विश्वास न करें और न ही इसे आगे शेयर करें।

संजय राउत ने जताई 'बड़ी सियासी साजिश' की आशंका

सीधे तौर पर 'जस्टिस लोया केस' से की तुलना

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (AP) के नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार की विमान दुर्घटना में हुई मौत पर शिवसेना (UBT) के सांसद संजय राउत ने सनसनीखेज आरोप लगाए हैं। राउत ने सोमवार को मीडिया से बात करते हुए इसे महज एक दुर्घटना मानने से इनकार कर दिया और इसके पीछे एक गहरी राजनीतिक साजिश की संभावना जताई। राउत ने दावा किया कि 15 जनवरी को अजित पवार ने सार्वजनिक रूप से भाजपा नेताओं के घोटालों की फाइलें उजागर करने की बात कही थी और उसके ठीक 13 दिन बाद 28 जनवरी को उनकी मौत हो गई। राउत ने सवाल उठाया कि क्या यह मौत उन फाइलों को दबाने के लिए हुई है? उन्होंने यह भी कहा कि अजित पवार शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी में लौटने की तैयारी कर रहे थे, जो शायद कुछ लोगों को नागवार गुजरा।

छठे यात्री और रहस्यमयी परिस्थितियों पर उठाए सवाल

संजय राउत ने इस दुर्घटना से जुड़े कई तकनीकी और सुरक्षात्मक पहलुओं पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने पूछा कि विमान में 6 यात्रियों के सवार होने की खबर थी, लेकिन मौके से केवल 5 शव ही क्यों बरामद हुए? वह 'छठा व्यक्ति' कौन था और वह कहाँ गायब हो गया? राउत ने हैरानगी जताते हुए कहा कि जिस भयानक आग ने इंसानी शरीर तक को कोयला बना दिया, उसमें अजित पवार के पास मौजूद कागजात और फाइलें पूरी तरह सुरक्षित कैसे बच गईं? उन्होंने सीधे तौर पर विमान के 'मेंटेनेंस सर्टिफिकेट' और सुरक्षा मानदंडों (Security Norms) के उल्लंघन पर भी उंगली उठाई है। राउत ने इस मामले की तुलना चर्चित 'जस्टिस लोया केस' से करते हुए कहा कि वे इस मुद्दे को संसद के आगामी सत्र में उठाएंगे। उन्होंने चेतावनी दी है कि जब तक इस कथित साजिश के पीछे का 'मास्टरमाइंड' सामने नहीं आ जाता, वे शांत नहीं बैठेंगे। गौरतलब है कि केवल राउत ही नहीं, बल्कि एनसीपी (एपी) के विधायक अमोल मिटकरी और रूपाली ठोंबरे पाटिल ने भी इसी तरह के संदेह व्यक्त किए हैं। राउत ने मांग की है कि इस हाई-प्रोफाइल मामले की उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच होनी चाहिए ताकि जनता के सामने सच्चाई आ सके।

एनसीपी अजित गुट के नेताओं का विलय से इनकार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन के बाद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दोनों गुटों के संभावित विलय को लेकर चल रही चर्चाओं पर संशय के बादल गहरा गए हैं। जहां शरद पवार गुट के कुछ नेताओं का दावा है कि अजित पवार ने अपने जीवनकाल में शरद पवार, जयंत पाटिल और अमोल कोल्हे के साथ दोनों दलों के विलय को लेकर बैठक की थी, वहीं अजित पवार गुट के वरिष्ठ नेताओं ने इन दावों को सिरे से खारिज किया है।

कोई भी फैसला अजित पवार के निधन के साथ ही समाप्त

अजित पवार गुट के वरिष्ठ नेता छगन भुजबल और प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे ने स्पष्ट किया है कि अजित पवार ने कभी भी उनके साथ दोनों दलों के विलय को लेकर कोई चर्चा नहीं की थी। पार्टी विधायक अनिल पाटिल ने कहा कि विलय से जुड़ा कोई भी फैसला अजित पवार के निधन के साथ ही समाप्त हो गया है, जबकि विधायक सुनील शेलके ने फिलहाल विलय पर चर्चा को निरर्थक बताया। दूसरी ओर, माणिकराव कोकाटे और हीरामन खोसकर ने कहा कि सुनेत्रा पवार पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं और आगे पार्टी से जुड़े सभी महत्वपूर्ण निर्णय वही लेंगी।

जो बैठक में मौजूद नहीं थे, उन्हें विलय के बारे में क्या जानकारी : शरद पवार

दोनों राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के विलय को लेकर आरोप-प्रत्यारोप के दौर शुरु है। इस बीच एनसीपी (एसपी) मुख्या शरद पवार ने कहा है कि जो लोग बैठक में मौजूद ही नहीं थे, तो उन्हें उस बैठक के बारे में कैसे पता चलेगा? शरद पवार ने सोमवार को मुंबई में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि दोनों दलों के विलय को लेकर हुई बातचीत में कुछ चुनिंदा नेता ही शामिल थे।

'सावरकर सदन' को राष्ट्रीय स्मारक घोषित नहीं कर सकता केंद्र

मुंबई। दादर स्थित हिंदुत्व विचारक विनायक दामोदर सावरकर के निवास स्थान 'सावरकर सदन' को केंद्र सरकार द्वारा 'संरक्षित स्मारक' घोषित किए जाने की संभावना फिलहाल खत्म हो गई है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) ने बॉम्बे हाई कोर्ट में हलफनामा दायर कर स्पष्ट किया है कि यह इमारत 100 साल पुरानी होने की अनिवार्य कानूनी शर्त को पूरा नहीं करती है, इसलिए इसे राष्ट्रीय महत्व का स्मारक घोषित नहीं किया जा सकता। अभिनव भारत कांग्रेस के डॉ. पंकज फडनीस द्वारा दायर एक जनहित याचिका (PIL) के जवाब में एएसआई ने यह जानकारी दी।

मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम अंखड की पीठ के समक्ष हुई सुनवाई के दौरान एएसआई ने एक महत्वपूर्ण सुझाव दिया। हलफनामे में कहा गया कि हालांकि केंद्र इसे संरक्षित नहीं कर सकता, लेकिन मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) इसे अपनी 'हेरिटेज लिस्ट' में शामिल कर सकती

है। इसके अलावा, राज्य सरकार भी इसे अपने संरक्षित स्मारकों की सूची में जगह दे सकती है। एएसआई के अनुसार, इन कदमों से ऐतिहासिक इमारत को गिराए जाने से बचाया जा सकेगा और इसके मूल स्वरूप का संरक्षण सुनिश्चित होगा। डॉ. पंकज फडनीस के नेतृत्व वाले संगठन ने अदालत से मांग की है कि राज्य सरकार को बीएमसी द्वारा 2010 में की गई उस सिफारिश पर अमल करने का निर्देश दिया जाए, जिसमें सावरकर सदन को आधिकारिक विरासत सूची (Heritage List) में शामिल करने का सुझाव दिया गया था। सावरकर सदन न केवल एक ऐतिहासिक इमारत है, बल्कि सावरकर के जीवन और उनके संघर्षों का साक्षी भी रहा है।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

खाता : प्रमुख अभियंता (यांत्रिकी एवं विद्युत)

क्र. कार्य.अभि.यां. (दक्षिण)/6607/यां. व वि. दिनांक : 02.02.2026

ई-निविदा सूचना

बृहन्मुंबई महानगरपालिका द्वारा नीचे उल्लिखित कार्य के लिए इच्छुक एवं पात्र निविदाकारों से ऑनलाइन ई-निविदाएँ आमंत्रित की जा रही हैं। निविदा वितरण एवं बिक्री की तिथि व समय, निविदा बिक्री की अंतिम तिथि व समय से संबंधित विस्तृत जानकारी बृहन्मुंबई महानगरपालिका की वेबसाइट http://portal.mcgm.gov.in एवं महाटेंडर पोर्टल http://mahatenders.gov.in पर निविदा अवलोकन के अंतर्गत प्रकाशित/अपलोड की गई है।

क्रमांक	निविदा विवरण	कार्य का नाम
1	2026_MCGM_1273413-1	बृहन्मुंबई महानगरपालिका कार्यशाला में नियमित रखरखाव कार्य हेतु विभिन्न आवश्यक विद्युत सामग्रियों की आपूर्ति।

इच्छुक निविदाकारों से अनुरोध है कि विस्तृत जानकारी हेतु महाटेंडर पोर्टल एवं बृहन्मुंबई महानगरपालिका की आधिकारिक वेबसाइट पर अवलोकन करें।

हस्ता/-

पीआरओ / 2842 / विज्ञा./ 2025-26

कार्यकारी अभियंता (यांत्रिकी),दक्षिण विभाग

समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

सहायक आयुक्त कार्यालय, 'सी' प्रभाग 76, श्रीकांत पालेकर मार्ग, चंदनवाड़ी, मरीन लाइन्स (पूर्व), मुंबई – 400002

क्र. AC/C/A.E.(SWM)/17927 दिनांक : 02.02.2026

रुचि की अभिव्यक्ति

'सी' प्रभाग क्षेत्र में मैनिंग एवं मॉपिंग (सड़कों की सफाई) योजना के अंतर्गत कार्य करने हेतु स्थानीय/अनुभवी संस्थाओं से आवेदन आमंत्रित कर पात्रता सूची तैयार की जा रही है। इच्छुक स्थानीय/संस्थाओं के पास 'सी' प्रभाग में मैनिंग एवं मॉपिंग (सड़कों की सफाई) कार्य का न्यूनतम 01 वर्ष का अनुभव होना आवश्यक है। 'सी' प्रभाग में उक्त कार्य का अनुभव रखने वाली संस्थाओं को प्रथम वरीयता दी जाएगी।कार्य की आवश्यकता अनुसार 02 संस्थाओं (Sansthas) का चयन किया जाना है।यदि 'सी' प्रभाग में कार्यरत पर्याप्त स्थानीय एवं अनुभवी संस्थाएँ, जो निविदा की शर्तों के अनुसार संतोषजनक कार्य कर चुकी हों अथवा कर रही हों, उपलब्ध नहीं होती हैं, तो अन्य प्रभागों की वे संस्थाएँ जिनके पास मैनिंग एवं मॉपिंग (सड़कों की सफाई) कार्य का न्यूनतम 01 वर्ष का अनुभव हो, पर विचार किया जाएगा।

अनुभवी स्थानीय संस्थाओं को 01 वर्ष के संतोषजनक कार्य पूर्णता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। इच्छुक स्थानीय संस्था/Sanstha योजना से संबंधित संपूर्ण जानकारी प्राप्त कर सकती है।

निविदा आवेदन पत्र रुपये 4,283.40/- (रुपये 3,630/- + 18% GST) का भुगतान करने के पश्चात सहायक अभियंता (SWM), 'सी' प्रभाग के माध्यम से सहायक आयुक्त, 'सी' प्रभाग कार्यालय के सिविक फैसिलिटी सेंटर से प्राप्त किया जा सकता है।

यह निविदा 03.02.2026 को प्रातः 11.00 बजे से 09.02.2026 को अपराह्न 03.00 बजे तक BMC पोर्टल एवं स्थानीय समाचार-पत्रों में उपलब्ध रहेगी। आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथिः 09.02.2026, अपराह्न 03.00 बजे तक (सहायक आयुक्त, 'सी' प्रभाग कार्यालय में)

हस्ता/-

पीआरओ / 2840/विज्ञा./2025-26

सहायक आयुक्त, 'सी' प्रभाग

समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

एपस्टीन फाइल्स के मुद्दे पर यूथ कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन

ज़ीनत शबरीन ने मांगा प्रधानमंत्री का इस्तीफा

मुंबई। 'एपस्टीन फाइल्स' में हुए हालिया खुलासों को लेकर देश की राजनीति में भूचाल आ गया है। मुंबई यूथ कांग्रेस की अध्यक्ष ज़ीनत शबरीन के नेतृत्व में सोमवार को मुंबई में केंद्र सरकार के खिलाफ तीव्र विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि इन फाइलों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम आने से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की छवि को अपूरणीय क्षति पहुँची है। ज़ीनत शबरीन ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि यह मामला देश की सुरक्षा और नैतिक साख से जुड़ा है, इसलिए प्रधानमंत्री को नैतिकता के आधार पर तत्काल अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए।

विदेश नीति और रणनीतिक फैसलों पर उठाए सवाल

प्रदर्शन के दौरान यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की। ज़ीनत शबरीन ने आरोप लगाया कि एपस्टीन जैसे कुख्यात अंतरराष्ट्रीय अपराधी के दस्तावेजों में प्रधानमंत्री के संदर्भ मिलना राष्ट्रीय प्रतिष्ठा पर सीधा हमला है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या चाबहार बंदरगाह परियोजना को कमजोर करना और रूस के साथ ऊर्जा समझौतों से पीछे हटना जैसे महत्वपूर्ण रणनीतिक निर्णय किसी बाहरी दबाव का परिणाम हैं? शबरीन ने मांग की कि सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि विदेश नीति और सुरक्षा से जुड़े फैसले राष्ट्रीय हित में लिए गए हैं या किसी अंतरराष्ट्रीय साठगांठ के प्रभाव में।

भाजपा और विदेश मंत्रालय ने आरोपों को किया खारिज

वहीं, दूसरी ओर केंद्र सरकार और विदेश मंत्रालय (MEA) ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने स्पष्ट किया है कि एपस्टीन फाइल्स में प्रधानमंत्री का उल्लेख केवल एक अपराधी की रुबकवास और मनगढ़ंतर बातें हैं, जिनका वास्तविकता से कोई लेना-देना नहीं है।

मध्य रेल

मरम्मत कार्य

भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से मुख्य कारखाना प्रबंधक, परेल, मुंबई, छशिमट, मुंबई - 400001 निम्नलिखित कार्य के लिए इ-टेंडर के द्वारा ओपन टेंडर आमंत्रित करते है: **क्रं.सं.1. कार्य का विवरण:** ईओटी क्रेनों की मरम्मत एम एंड पी नंबर 2103, 2106, 2107, 2108 और 2096 मात्रा 05 नग. **अनुमानित लागत :** 17,13,360/-, **निविदा प्रपत्र का शुल्क :** शून्य, **ईएमडी :** 34,300/-, **समापन अवधी:** 120 दिन। **क्रं.सं.2. कार्य का विवरण:** सब स्टेशन परेल में 22 केवी एसएफ-6 सर्किट ब्रेकर की मरम्मत और सर्विसिंग। मात्रा 01 नग। **अनुमानित लागत :** 144550/-, **निविदा प्रपत्र का शुल्क :** शून्य, **ईएमडी :** 2900/-, **समापन अवधी:** 30 दिन। ई-निविदा की जमा करने की तिथी एवं अवधि दि. 23.02.2026 को 17.00 बजे तक है ई-निविदा की विस्तृत जानकारी रेल की आधिकारीक वेबसाइट : **https://www.ireps.gov.in.** पर उपलब्ध है। खुली निविदा संख्या : **(1) पी आर-AEE-CR-25-26-773, (2) पी आर-AEE-SF6-24-25-702B,** दि. 29.01.2026

मुख्य कारखाना प्रबंधक, परेल

सुरक्षित यात्रा करें, फुटबोर्ड पर यात्रा न करें 868

संपादकीय

राजनीति के शोर में दम तोड़ती निष्पक्षता

भारतीय राजनीति के वर्तमान परिदृश्य का अवलोकन करें तो एक अत्यंत चिंताजनक प्रवृत्ति उभरकर सामने आती है, जहाँ जीवन के शाश्वत मूल्यों और लोकतांत्रिक शुचिता को पीछे धकेलकर दलगत निष्ठाएं सर्वोपरि हो गई हैं। हाल ही में पेश हुआ बजट इस विभाजनकारी राजनीति का सबसे नया अखाड़ा बनकर उभरा है। परंपरा के अनुसार, बजट देश की आर्थिक सेहत का आईना होना चाहिए था, जिस पर स्वस्थ और वस्तुनिष्ठ चर्चा की दरकार थी, लेकिन यह पूरी तरह से धारणाओं की जंग में तब्दील हो गया है। एक तरफ सत्ता पक्ष और उसके समर्थक इसे 'ऐतिहासिक' और 'भारत का भाग्य बदलने वाला' बताने के लिए शब्दों की बाजीगरी कर रहे हैं, तो दूसरी तरफ विपक्ष और उसके पैरोकार इसे पहली नजर में ही 'रद्दी' और 'जनविरोधी' करार देकर खारिज करने में जुटे हैं। इस शोर-शराबे में वह तार्किक आवाज कहीं खो गई है जो बजट की जटिलताओं को सुलझाकर जनता के सामने सच रख सके। राजनीति का यह ध्रुवीकरण केवल संसदों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसने आम जनता के मानस को भी दो स्पष्ट और विरोधी खेमों में बांट दिया है, जिससे सामूहिक चेतना का ह्रास हो रहा है। इस पूरे घटनाक्रम में जो सबसे दुखद पहलू उभरकर आया है, वह है उस 'मध्य मार्ग' का विलुप्त होना जिसे तटस्थ भारत का स्वर कहा जाता था। किसी भी जीवंत लोकतंत्र की असली शक्ति उसके वे लोग होते हैं जो किसी राजनीतिक विचारधारा के गुलाम नहीं होते, बल्कि जो 'गलत को गलत और सही को सही' कहने का नैतिक साहस रखते हैं। आज का नागरिक या तो सत्ता के प्रेम में इतना अंधा है कि उसे सरकार की खामियां नजर नहीं आतीं, या फिर विरोध के द्वेष में इतना डूबा है कि उसे राष्ट्र की प्रगति के वास्तविक कदम भी छलावा लगते हैं। यह तटस्थता कोई निष्क्रियता नहीं थी, बल्कि एक संतुलनकारी शक्ति थी जो सत्ता को निरंकुश होने से रोकती थी और विपक्ष को सार्थक आलोचना के लिए मजबूर करती थी। जब समाज का यह विवेकशील वर्ग मौन हो जाता है या कट्टरता के प्रवाह में बह जाता है, तो देश का वैचारिक आधार कमजोर होने लगता है। आज तटस्थ नागरिक को 'दोगला' या 'भ्रमित' कहकर अपमानित किया जाता है, जबकि हकीकत में यही वह वर्ग था जो लोकतंत्र को भीड़तंत्र में बदलने से बचाता था। राजनीति में मूल्यों का स्थान अब केवल 'ब्रांडिंग' ने ले लिया है। अब नीति की प्रभावशीलता से अधिक महत्व इस बात का है कि उसे बेचा कैसे जा रहा है। सत्ता पक्ष के लिए हर आंकड़ा एक उपलब्धि है और विपक्ष के लिए हर उपलब्धि एक आंकड़ों का मायाजाल। इस खींचतान में वह भारत कहीं पीछे छूट रहा है जो तर्क, तथ्य और निष्पक्ष विश्लेषण पर विश्वास करता था। जब जनता का एक बड़ा हिस्सा केवल अपने पसंदीदा दल की जय-जयकार को ही राष्ट्रवाद मान लेता है, तो वह अनजाने में ही जवाबदेही के रास्ते बंद कर देता है। बजट में मध्यम वर्ग के लिए क्या है, किसानों की आय का वास्तविक धरातल क्या है और रोजगार के सृजन की दर क्या है। इन मूलभूत प्रश्नों पर चर्चा होने के बजाय अब केवल सोशल मीडिया पर 'ट्रेंड्स' की लड़ाई लड़ी जा रही है। यह बौद्धिक शून्यता की वह स्थिति है जहाँ व्यक्ति अपनी सोचने-समझने की शक्ति किसी दल के आईटी सेल को गिरवी रख देता है। मूल्यों की इस गिरावट ने राजनीति को एक ऐसी 'जीरो-सम गेम' बना दिया है जहाँ एक की जीत के लिए दूसरे का पूर्ण विनाश आवश्यक मान लिया गया है।

विकास की अनंत संभावनाओं के द्वार खोलेगा केन्द्रीय बजट

डॉ. मोहन यादव
लेखक मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं

केन्द्रीय बजट गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति को आत्मनिर्भर बनाने के लिए समर्पित है। यह सर्वव्यापी, सर्वस्पर्शी और सर्वसमावेशी बजट है। जिस प्रकार मध्यप्रदेश में तेजी से शिक्षा का आधुनिकीकरण हो रहा है, नया बजट युवाओं के कौशल विकास और रोज़गार के लिए व्यापक अवसर लेकर आया है। शिक्षा से रोजगार एवं उद्यम स्थायी समिति का गठन और 15 हजार माध्यमिक विद्यालयों एवं 500 महाविद्यालयों में एपीजीसी कंटेंट क्रिएटर लैब की स्थापना रचनात्मकता को बढ़ावा देगी।

भारत विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सशक्त और दूरदर्शी नेतृत्व में हम विकसित भारत का मिशन लेकर आगे बढ़ रहे हैं। केन्द्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत बजट 2026-27 मध्यप्रदेश के लिए आर्थिक विकास की नई संभावनाओं के द्वार खोलेगा, उद्योगों को सरल प्रक्रियाएँ, निवेशकों को भरोसेमंद वातावरण, युवाओं को रोजगार के अवसर, महिलाओं को आर्थिक सशक्तिकरण, एमएसएमई सेक्टर को संस्थागत समर्थन और नागरिकों को बेहतर सेवाएँ प्राप्त होंगी। आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की जो नींव प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में रखी गई है उसे वर्ष 2026-27 के बजट ने और ज्यादा मजबूत किया है। भारत की अर्थव्यवस्था अब तेजी से नई ऊंचाइयों को छूने के लिए तत्पर है। युवा शक्ति, नारी शक्ति, किसान शक्ति और उद्यमिता के सहयोग से भारत ने आगे बढ़ने जो संकल्प लिया है वह कई अर्थों में अद्भुत है। आज जब भारत औद्योगिक निवेश और निर्माण क्षेत्र का हब बनने जा रहा है, उसमें मध्यप्रदेश भी अपनी पूरी शक्ति के साथ योगदान देने के लिए तैयार है। हमने औद्योगिक निवेश के लिये अनूकूल वातावरण तैयार किया, जिससे निरंतर निवेश आ रहा है। नये बजट से पूरे इको-सिस्टम को नई ऊर्जा मिली है। बजट में हरित अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने पर पूरा ध्यान केन्द्रित किया गया है। इससे मध्यप्रदेश को दीर्घकालिक लाभ होने वाला है। कृषक कल्याण और कृषि विकास को मिशन के रूप में आगे बढ़ाने का संकल्प भी लिया गया है।

इसी प्रकार सेमीकंडक्टर मिशन 2.0, इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट, मैन्युफैक्चरिंग और एआई आधारित तकनीक के विकास पर बजट में ध्यान केन्द्रित किया गया है। इन तीनों क्षेत्रों में मध्यप्रदेश को हाईटेक उद्योग, डिजिटल निवेश और नवाचार आधारित उद्यमिता को

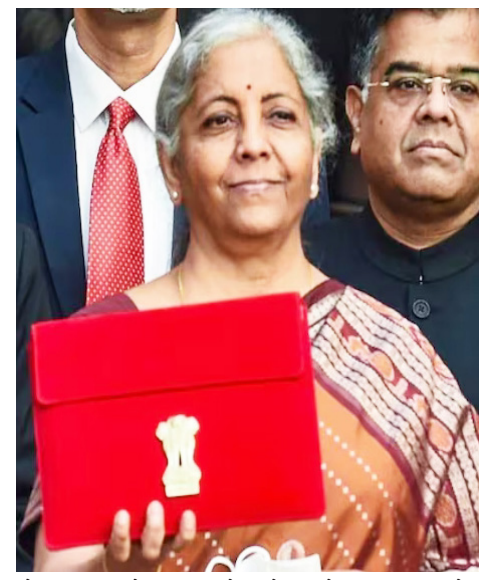

प्रोत्साहन मिलेगा। इन क्षेत्रों के लिये नीतियां बनाने का काम पूरा कर लिया है। निवेश आकर्षित करने के प्रयास निरंतर जारी हैं।

केन्द्रीय बजट गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति को आत्मनिर्भर बनाने के लिए समर्पित है। यह सर्वव्यापी, सर्वस्पर्शी और सर्वसमावेशी बजट है। जिस प्रकार मध्यप्रदेश में तेजी से शिक्षा का आधुनिकीकरण हो रहा है, नया बजट युवाओं के कौशल विकास और रोज़गार के लिए व्यापक अवसर लेकर आया है। शिक्षा से रोजगार एवं उद्यम स्थायी समिति का गठन और 15 हजार माध्यमिक विद्यालयों एवं 500 महाविद्यालयों में एपीजीसी कंटेंट क्रिएटर लैब की स्थापना रचनात्मकता को बढ़ावा देगी। पर्यटन क्षेत्र में आईआईएम के सहयोग से 10 हजार गाइड्स के कौशल उन्नयन और खेलो इंडिया मिशन के माध्यम से अगले दशक में खेलों के परिदृश्य में बदलाव लाने का लक्ष्य युवाओं को नई दिशा देगा। महिलाओं के लिये एमएसएमई ग्रोथ फंड के लिए 10 हजार करोड़ रूपये का आवंटन लाभदायी होगा। युवा भारत के लिये सेवा क्षेत्र का विस्तार संभावनाओं के नये द्वार खोलेगा और रोज़गार और उद्यम के अवसर बढ़ेंगे। महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए लखपति दीदी योजना में महिला उद्यमियों को क्रेडिट लिंक आजीविका से उद्यम स्वामित्व से जोड़ने में मदद मिलेगी। मध्यप्रदेश ने पहले ही इस दिशा में ठोस प्रयास किये हैं। सिटी इकॉनामिक रीजन बनाने की नीति मध्यप्रदेश के शहरी विकास के लिए विशेष रूप से लाभकारी होगी। शहरों को संगठित आर्थिक केंद्रों के रूप में विकसित करने में यह सहायक सिद्ध होगी। शहरी क्षेत्रों में नियोजित आर्थिक विकास, औद्योगिकव्यावसायिक क्लस्टरिंग और आधुनिक अधोसंरचना का निर्माण होगा। इससे मध्यप्रदेश के प्रमुख शहर संगठित आर्थिक केंद्रों के रूप में विकसित होंगे और निवेशअनुकूल शहरी अर्थव्यवस्था का निर्माण होगा। यह निवेश मॉडल मध्यप्रदेश के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा और कनेक्टिविटी, लॉजिस्टिक्स तथा व्यापारिक सुगमता को व्यापक रूप से मजबूत बनायेगा। बजट में सामाजिक समावेश पर पूरा ध्यान दिया गया है। आर्थिक विकास की ये पहल मध्यप्रदेश के लिए अत्यंत लाभकारी होगी। समावेशी विकास के साथ मानव-पूंजी निर्माण को भी मजबूती मिलेगी। शी-मार्ट्स, दिव्यांगजन कौशल योजना, सभी जिलों में गर्ल्स हॉस्टल और शिक्षाकौशल आधारित पहल से सामाजिक सशक्तिकरण के साथ आर्थिक विकास को समावेशी स्वरूप मिलेगा। इससे मध्यप्रदेश में गुणवत्तापूर्ण मानवपूंजी का सृजन होगा। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को विकास के केन्द्र में रखते हुए यह बजट प्रशासनिक सरलीकरण, निवेश-अनुकूल नीतियों, संरचनात्मक सुधारों और वित्तीय स्थिरता के माध्यम से मध्यप्रदेश को तेज़ी से उभरती अर्थव्यवस्था के रूप में विकसित करने की ठोस आधारशिला रखता है।

जीवन मंत्र

जैसा हम सोचते हैं, वैसा ही हमारा चरित्र और भविष्य बनता है। यदि हम सकारात्मक विचार रखते हैं, तो हमारा मन आत्मविश्वास और ऊर्जा से भर जाता है।

मन की शक्ति: असीमित संभावनाओं का स्रोत

मनुष्य के पास उपलब्ध सभी शक्तियों में 'मन की शक्ति' सबसे सूक्ष्म, किंतु सबसे प्रभावशाली है। कहा जाता है कि ₹मन के हारे हार है, मन के जीते जीत।₹ यह केवल एक कहावत नहीं, बल्कि जीवन का एक गहरा मनोवैज्ञानिक सत्य है। हमारा मन एक अत्यंत शक्तिशाली चुंबक और एक अनंत ऊर्जा का केंद्र है, जो हमारे पूरे जीवन की दिशा और दशा निर्धारित करता है। विचार और वास्तविकता का संबंध स्वामी विवेकानंद के अनुसार, हम वही हैं जो हमारे विचारों ने हमें बनाया है। हमारे विचार बीज की तरह होते हैं; जैसा हम सोचते हैं, वैसा ही हमारा चरित्र और भविष्य बनता है। यदि हम सकारात्मक विचार रखते हैं, तो हमारा मन आत्मविश्वास और ऊर्जा से भर जाता है। इसके विपरीत, नकारात्मक विचार मानसिक और शारीरिक दुर्बलता का कारण बनते हैं। आधुनिक विज्ञान भी अब यह मानता है कि हमारी कई शारीरिक बीमारियों की जड़ हमारे अशांत और नकारात्मक मन में होती है। एकाग्रता और संकल्प मन की शक्ति का वास्तविक प्रदर्शन एकाग्रता (Concentration) में दिखता है। बिखरी हुई सूर्य की किरणें कागज़ नहीं जला सकतीं, लेकिन जब उन्हें एक लेंस के माध्यम से केंद्रित किया जाता है, तो वे अग्नि उत्पन्न कर देती हैं। ठीक उसी तरह, जब मानवीय संकल्प और मानसिक ऊर्जा को एक लक्ष्य पर केंद्रित किया जाता है, तो असंभव लगने वाले कार्य भी संभव हो जाते हैं। दुनिया के महान अविष्कारक, खिलाड़ी और नेतृत्वकर्ता अपनी इसी एकाग्रता के बल पर महान बने हैं। आत्म-

नियंत्रण और अभ्यासमन की शक्ति को विकसित करने के लिए आत्म-नियंत्रण अनिवार्य है। अनियंत्रित मन एक ऐसे घोड़े के समान है जो आपको खाई में गिरा सकता है, लेकिन प्रशिक्षित मन आपका सबसे अच्छा मित्र और सेवक बन जाता है। ध्यान (Meditation), योग और स्वाध्याय के माध्यम से हम मन की चंचलता को वश में कर सकते हैं। मन की शक्ति वह छिपी हुई चाबी है जो सफलता और शांति के द्वार खोलती है।

शख्सियत

रघुराम गोविंद राजन

दूरदर्शी चिंतक और निर्भीक विचारक

रघुराम गोविंद राजन का जन्म 3 फरवरी 1963 को भोपाल, मध्य प्रदेश में हुआ। वे आधुनिक भारत के सबसे प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रियों में गिने जाते हैं, जिनकी पहचान केवल एक प्रशासक के रूप में नहीं, बल्कि दूरदर्शी चिंतक और निर्भीक विचारक के रूप में है। उनके पिता एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी थे, जिससे प्रशासन, नीति और सार्वजनिक जीवन की समझ उन्हें बचपन से ही मिली।

रघुराम राजन की प्रारंभिक शिक्षा भारत में हुई। उन्होंने आईआईटी दिल्ली से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में स्नातक किया, जहां उनकी विश्लेषणात्मक क्षमता स्पष्ट दिखने लगी। इसके बाद उन्होंने आईआईएम अहमदाबाद से प्रबंधन की पढ़ाई की और यहां उन्हें स्वर्ण पदक प्राप्त हुआ। उच्च शिक्षा के लिए वे अमेरिका गए और मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (MIT) से अर्थशास्त्र में पीएचडी की। यहीं से उनका झुकाव वैश्विक वित्तीय प्रणाली, बैंकिंग और पूंजी बाजार की जटिलताओं की ओर गहरा हुआ। रघुराम राजन को अंतरराष्ट्रीय पहचान 2005 में तब मिली, जब उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) के वार्षिक सम्मेलन में वैश्विक वित्तीय प्रणाली की कमजोरियों पर खुलकर चेतावनी दी। उस समय जब दुनिया वित्तीय उदारीकरण और जोखिम भरे निवेश को प्रगति का प्रतीक मान रही थी, राजन ने कहा कि यह व्यवस्था भविष्य में बड़े संकट को जन्म दे सकती है। उनकी बातों को उस समय नजरअंदाज किया गया, लेकिन 2008 का वैश्विक वित्तीय संकट उनके विश्लेषण को सही साबित कर गया। इसके बाद उन्हें "वह व्यक्ति जिसने संकट को पहले देख लिया" कहा जाने लगा। भारत लौटने पर रघुराम राजन को 2013 में भारतीय रिजर्व बैंक का 23वां गवर्नर नियुक्त किया गया। यह वह समय था जब भारतीय अर्थव्यवस्था उच्च महंगाई, गिरते रुपये और कमजोर निवेश वातावरण से जूझ रही थी। राजन ने कठिन लेकिन आवश्यक फैसले लिए। उन्होंने महंगाई नियंत्रण को प्राथमिकता दी, मौद्रिक नीति को अधिक पारदर्शी बनाया और बैंकिंग प्रणाली में छिपे फंसे हुए कर्ज (एनपीए) की सच्चाई को सामने लाने का साहस दिखाया। उनके कार्यकाल में रुपये की स्थिरता बढ़ी, विदेशी निवेशकों का भरोसा लौटा और भारतीय केंद्रीय बैंक की साख अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत हुई। हालांकि, उनके स्पष्ट और स्वतंत्र विचार कई बार राजनीतिक सत्ता को असहज करते रहे। वे मानते थे कि अर्थव्यवस्था को अल्पकालिक लोकप्रिय फैसलों के बजाय दीर्घकालिक स्थिरता की जरूरत होती है। यही स्पष्टवादिता उनके व्यक्तित्व की सबसे बड़ी पहचान बनी। रघुराम राजन का कार्यकाल 2016 में समाप्त हुआ, जिसके बाद वे फिर से अकादमिक जीवन में लौट गए। वर्तमान में वे अमेरिका के शिकागो विश्वविद्यालय में प्रोफेसर हैं। साथ ही वे भारत की अर्थव्यवस्था, लोकतंत्र, शिक्षा और संस्थानों की मजबूती पर लगातार लेखन और सार्वजनिक विमर्श करते रहते हैं। उनकी पुस्तकें जैसे "Fault Lines" और "The Third Pillar" नीति निर्माताओं और विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण मानी जाती हैं।रघुराम गोविंद राजन का जीवन इस बात का उदाहरण है कि सच्चा विशेषज्ञ वही होता है, जो सच कहने का साहस रखता हो, चाहे वह कितना ही अप्रिय क्यों न हो। वे न केवल 3 फरवरी को जन्मे एक विशिष्ट भारतीय हैं, बल्कि उस बौद्धिक परंपरा के प्रतीक हैं।

जीवन ऊर्जा

आधुनिकतावादी अमेरिकी लेखिका और कवयित्री थीं। उनका जन्म पेनसिल्वेनिया में हुआ और निधन पेरिस में। उन्होंने भाषा और शैली में नए प्रयोग किए तथा "लॉस्ट जेनरेशन" शब्द को लोकप्रिय बनाया। उनकी रचनाएँ आधुनिक साहित्य की दिशा तय करने वाली मानी जाती हैं।

गेरट्रूड स्टाइन 3 फरवरी 1874 – 27 जुलाई 1946 जन्म

सफलता का अर्थ है अपनी शर्तों पर जीना

आप वही बने रहें जो आप हैं। सफलता का अर्थ है अपनी शर्तों पर जीना। प्रतिभाशाली होने के लिए बहुत सारा खाली समय चाहिए। सृजन करना ही एकमात्र असली आनंद है। यदि काम आसान है, तो उसे करने में कोई मज़ा नहीं है। वहाँ कोई 'वहाँ' नहीं है। वर्तमान ही एकमात्र सत्य है। पैसा हमेशा मौजूद रहता है, बस जेबें बदलती रहती हैं। बुढ़ापा एक ऐसी चीज़ है जिसके लिए आप कभी तैयार नहीं होते। खुश रहना एक अभ्यास है, इसे सीखना पड़ता है। हर कोई अंदर से एक जैसा ही है। दोस्ती एक जिम्मेदारी है, अवसर नहीं। दूसरों को व्यस्त रखने से बेहतर है खुद के काम में व्यस्त रहना। दुनिया गोल है, आप कहीं भी खड़े

होकर शुरुआत कर सकते हैं। बदलाव ही एकमात्र स्थिर चीज़ है। सीखने की कोई उम्र नहीं होती। मौन कभी-कभी सबसे सटीक जवाब होता है। सवाल पूछना ही उत्तर पाने का पहला कदम है। इतिहास खुद को दोहराता है क्योंकि हम सीखते नहीं हैं। मैं वही हूँ जो मेरा कुत्ता मुझे समझता है। अकेलापन और प्रशंसा—एक रचनाकार की यही दो ज़रूरतें हैं। छोटी चीजें ही बड़े बदलाव लाती हैं। नियमों को तोड़ना तभी सार्थक है जब आप उन्हें जानते हों। यादें ही हमें जीवित रखती हैं। मूर्खता के बिना बुद्धिमत्ता का कोई अर्थ नहीं। शांत रहना एक बहुत बड़ी ताकत है। प्रकृति कभी जल्दबाजी नहीं करती, फिर भी सब काम हो जाते हैं। किताबें सिर्फ पढ़ने के लिए नहीं, साथ रहने के लिए होती हैं। एक कहानी में कोई शुरुआत, मध्य या अंत नहीं होता। सब कुछ उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि कुछ और। गुलाब एक गुलाब है एक गुलाब है एक गुलाब है। कलाकार का काम रहस्य बनाना है। पेरिस वह जगह थी जहाँ बीसवीं सदी थी। कविता शब्दों के साथ खेला जाने वाला एक खेल है। यदि आप एक कवि हैं, तो आपको शब्दों को वैसे ही देखना चाहिए जैसे वे पहली बार देखे जा रहे हैं।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

आंतरिक रूपांतरण से समाज निर्माण तक

मानव जीवन संघर्ष और संभावनाओं का एक अद्भुत मिश्रण है। अक्सर हम अपनी असफलताओं और अशांति के लिए बाहरी परिस्थितियों या दूसरे व्यक्तियों को जिम्मेदार ठहराते हैं। लेकिन वास्तविकता यह है कि हमारे जीवन की गुणवत्ता हमारे बाहरी संसाधनों से नहीं, बल्कि हमारे आंतरिक गुणों—अहम, क्रोध, वाणी और सहयोग की भावना—से तय होती है।

1. अहम (Ego) का विसर्जन और यथार्थ का दर्शन

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

अहम या 'ईगो' एक ऐसा चश्मा है जो हमें वास्तविकता को वैसा नहीं देखने देता जैसी वह है, बल्कि वैसा दिखाता है जैसा हमारा अहंकार चाहता है। जब तक व्यक्ति ₹मैं₹ के भाव में डूबा रहता है, वह दूसरों के दृष्टिकोण और जीवन के यथार्थ सत्य (Reality) से वंचित रह जाता है। अहम को तोड़ना आत्म-ज्ञान की पहली शर्त है। जब अहंकार गिरता है, तब विनम्रता का जन्म होता है और तभी व्यक्ति सीखने व विकसित होने के योग्य बनता है।

2. क्रोध की अग्नि और आत्मिक शांति

क्रोध एक ऐसी ज्वाला है जो दूसरों को जलाने से पहले स्वयं उस पात्र को जलाती है जिसमें वह रहती है। क्रोध में लिया गया निर्णय और बोले गए शब्द जीवन भर का पश्चाताप बन जाते हैं। यदि हम अपने क्रोध को जलाना सीख लें, तो हम उस ऊर्जा को रचनात्मक कार्यों में लगा सकते हैं। क्रोध मुक्त मन ही 'आत्मिक सुख' का अनुभव कर सकता है, क्योंकि शांति और क्रोध एक साथ नहीं रह सकते।

3. वाणी का संयम: कटु वचन बनाम अपनत्व

शब्दों में घाव भरने की शक्ति भी होती है और घाव देने की भी। कटु वचन किसी भी मधुर रिश्ते को पल भर में नष्ट कर सकते हैं। जब हम कड़वाहट का त्याग करते हैं,

तो हम दूसरों के हृदय में अपने लिए स्थान बनाते हैं। समाज में 'अपनत्व' की कमी का मुख्य कारण संवादात्मक कड़वाहट ही है। वाणी का मूल्यांकन करना यह सुनिश्चित करता है कि हम अनजाने में किसी की भावनाओं को ठेस न पहुँचाएँ।

4. सहयोग का विज्ञान: जैसा बोओगे वैसा काटोगे

प्रकृति का नियम है कि आप जो देते हैं, वही आपके पास लौटकर आता है। यदि आप दूसरों को सहयोग नहीं देते, तो संकट के समय आप भी स्वयं को अकेला पाएंगे। सहयोग केवल आर्थिक मदद नहीं है; यह मानसिक सहारा, सही सलाह और सहानुभूति भी हो सकती है। सहयोग की भावना व्यक्ति को समाज से जोड़ती है और एक मजबूत सामाजिक ढांचे का निर्माण करती है।

5. परिवर्तन का केंद्र: स्वयं या संसार?

महात्मा गांधी ने कहा था, ₹वह बदलाव बनिए जो आप दुनिया में देखना चाहते हैं।₹ जब तक हम दूसरों को बदलने की कोशिश करते हैं, हम केवल निराशा और विवाद मोल लेते हैं। स्वयं का निरीक्षण (Self-Inspection) करना एक कठिन लेकिन महान कार्य है। यदि हमें सामने वाले में अहंकार या क्रोध दिख रहा है, तो यह समय उसे कोसने का नहीं, बल्कि खुद के भीतर झांकने का है। क्या हमारे व्यवहार ने उसे उकसाया? क्या हमारे भीतर भी वही दोष सूक्ष्म रूप में मौजूद हैं?

6. समाज सुधार की दिशा में व्यक्तिगत प्रयास

समाज कोई अलग इकाई नहीं है, बल्कि व्यक्तियों का समूह है। यदि एक व्यक्ति अपने अहम, क्रोध और वाणी पर नियंत्रण पा लेता है, तो वह अपने आसपास के वातावरण को सकारात्मक बना देता है। स्वयं के सुधार के लिए किया गया हर छोटा प्रयास एक ₹रिपल इफेक्ट₹ (Ripple Effect) पैदा करता है, जो धीरे-धीरे पूरे समाज को प्रभावित करता है। यथार्थ से जुड़ने, आत्मिक सुख पाने और अपनत्व का विस्तार करने के लिए हमें बाहरी युद्धों के बजाय आंतरिक युद्ध जीतने होंगे।

अपने विचार

नेता विपक्ष जो कुछ भी बोल रहे हैं, वह अपुष्ट जानकारी है। उनसे यही कहूंगा कि कोई ऐसी बात मत बोलिए, जिससे देश का और सेना का मनोबल टूटे। देश को नीचा दिखाकर क्या मिलेगा। हालांकि इसके बाद भी राहल गांधी नहीं रुके और फिर स्पीकर ने सदन की कार्यवाही चार बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

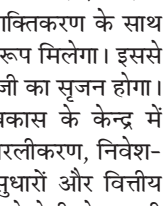

-किरेन रिजिजू,
संसदीय कार्यमंत्री

मैंने ऐसा अहंकारी और झूठा चुनाव आयुक्त कभी नहीं देखा। मैंने उनसे कहा कि मैं आपकी कुर्सी की इज्जत करती हूं क्योंकि कोई भी कुर्सी किसी के लिए स्थायी नहीं होती। एक दिन आपको जाना ही होगा, बंगाल को क्यों निशाना बनाया जा रहा है। आपने 98 लाख लोगों के नाम हटा दिए और उन्हें अपना बचाव करने का मौका नहीं दिया।

ममता बनर्जी
सीएम, पश्चिम बंगाल

'मुझे बोलने नहीं दिया जा रहा है। मेरा कहना है कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा का विषय है। यह पूर्व सेना प्रमुख की रक्षा मंत्री और प्रधानमंत्री से बातचीत के बारे में है। मोदी जी ने उनसे क्या कहा, राजनाथ जी ने क्या आदेश दिए, इस बारे में बोलना चाहता हूं। पता नहीं क्यों डरे हुए हैं?

-राहुल गांधी
नेता विपक्ष

मैं पूछना चाहता हूं कि उस समय पीडीए पर चर्चा क्यों नहीं हुई? अपनी पार्टी (सपा) के शासनकाल में उन्हें (अखिलेश को) सिर्फ परिवार की ही चिंता क्यों थी?, प्रधानमंत्री ने राष्ट्र को परिवार के रूप में देखने का दृष्टिकोण प्रस्तुत किया है। हमारा मुख्य उद्देश्य गरीबों, युवाओं और किसानों की सहायता करना है।

योगी आदित्यनाथ
सीएम, उत्तर प्रदेश

अपने विचार

डीबीडी कार्यालय

ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001

indiagroundreport@gmail.com

भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि." के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज्मिेदार).

ब्रीफ न्यूज़

डॉ. सना मोमिन को ओमान में सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार

भिवंडी। ओमान में संचालित भारतीय स्कूलों की प्रशासनिक समिति द्वारा प्रदान किया जाने वाला प्रतिष्ठित "नवीन अशर क़ाज़ी सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार" इस वर्ष भिवंडी की प्रख्यात गणित शिक्षिका डॉ. सना क़मरुद्दीन मोमिन (पीएचडी) को प्रदान किया गया है। उन्हें ओमान के 22 भारतीय स्कूलों में से चयनित 15 सर्वश्रेष्ठ शिक्षकों में शामिल किया गया, जो उनकी उत्कृष्ट शिक्षण क्षमता, पेशेवर दक्षता और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में योगदान का प्रमाण है। यह सम्मान समारोह इंडियन स्कूल मस्कट में आयोजित हुआ, जिसमें सीबीएसई के सचिव हिमांशु गुप्ता मुख्य अतिथि तथा ओमान शिक्षा मंत्रालय की निजी स्कूलों की महानिदेशक डॉ. ख़दीजा बिंत अल सलामी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। समिति के अध्यक्ष सैयद अहमद सलमान की मौजूदगी में डॉ. सना को प्रशस्ति पत्र और सम्मान चिन्ह प्रदान किया गया। वर्तमान में वे इंडियन स्कूल सलालाह में गणित विभाग की वरिष्ठ शिक्षिका हैं और पिछले आठ वर्षों से ओमान में सेवाएं दे रही हैं। भीवंडी की रहने वाली डॉ. सना ने रफ़ीउद्दीन फ़कीह गर्ल्स हाई स्कूल से प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त कर एसएससी में शहर में टॉप किया था, इसके बाद पुणे और मुंबई विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा हासिल कर गणित में पीएचडी पूरी की।

टीएमसी ने भावी मेयर के नेतृत्व में सफाई मुहिम चलाई

ठाणे। ठाणे महानगरपालिका द्वारा शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए शुरू किया गया 'डीप क्लीन ड्राइव' कैंपेन सोमवार को नौपाड़ा-कोपरी वार्ड समिति के तहत कोपरी इलाके में बड़े पैमाने पर चलाया गया। इस मुहिम का नेतृत्व मेयर-डेजिग्नेट (भावी मेयर) शर्मिला पिंपोलकर ने किया। अभियान की शुरुआत सुबह 7:30 बजे अष्टविनायक चौक पर सामूहिक सफाई शपथ के साथ हुई। इस अवसर पर पिंपोलकर ने उपमुख्यमंत्री के आह्वान को दोहराते हुए कहा, ₹आज ड्यूटी, फिर पोस्ट का चार्ज₹—यानी पद संभालने से पहले कर्तव्य निभाना प्राथमिकता है। उन्होंने ठाणेकरों से अपील की कि शहर को कचरा मुक्त बनाने में प्रशासन का सहयोग करें।यह सफाई अभियान अष्टविनायक चौक से शुरू होकर कोपरी गांव, कन्हैया नगर, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर चौक और बड़ा बंगला इलाकों तक चलाया गया। अभियान की खास बात यह रही कि सड़कों की धुलाई के लिए पीने के पानी के बजाय 'ट्रीटेड वॉटर' (STP से साफ किया गया पानी) का इस्तेमाल किया गया। कचरा संग्रहण के साथ-साथ फुटपाथों और सार्वजनिक स्थानों की गहन सफाई की गई।

5 फरवरी से म्हाडा की 'पहले आओ पहले पाओ' स्कीम की शुरुआत

120 फ्लैट्स की बिक्री के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करेगा शुरू

दीपक पवार । मुंबई

MHADA के मुंबई हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट बोर्ड के अंतर्गत आने वाली विभिन्न कॉलोनियों में कुल 120 फ्लैट्स को 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर बिक्री के लिए उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके लिए MHADA की आधिकारिक वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन पंजीकरण प्रक्रिया 5 फरवरी सुबह 11 बजे से शुरू होगी।

पात्रता और आवश्यक दस्तावेज

आवेदक की आयु आवेदन की तिथि पर कम से कम 18 वर्ष होनी चाहिए और वह भारतीय नागरिक होना अनिवार्य है। वैवाहिक स्थिति के अनुसार आधार कार्ड, पैन कार्ड, तलाकशुदा होने की स्थिति में न्यायालय का प्रमाणित निर्णय तथा आरक्षण श्रेणी के लिए जाति सत्यापन प्रमाणपत्र जरूरी होगा। डिपॉजिट अमाउंट भुगतान के बाद आवेदक को 'बुक माई होम' विकल्प दिखाई देगा, जिसमें उपलब्ध फ्लैट्स की जानकारी होगी। एक बार डिपॉजिट देने के बाद आवेदन में कोई बदलाव नहीं किया जा सकेगा और एक डिपॉजिट पर केवल एक ही फ्लैट कन्फर्म किया जा सकेगा।

भुगतान नियम और सावधानियां

फ्लैट कन्फर्म होने के बाद तय समय में भुगतान न करने पर क्लेम स्वतः रद्द हो जाएगा और डिपॉजिट राशि जब्त हो जाएगी। MHADA ने स्पष्ट किया है कि इस योजना के लिए किसी भी एजेंट या ब्रोकर को अधिकृत नहीं किया गया है। किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी की जानकारी संबंधित अधिकारियों और हेल्पलाइन नंबरों पर देने की अपील की गई है।

विभिन्न इलाकों में उपलब्ध 84 फ्लैट

मुंबई बोर्ड द्वारा 'पहले आओ, पहले पाओ' सिद्धांत पर कुल 84 फ्लैट बिक्री के लिए उपलब्ध कराए गए हैं। इनमें शिंपोली कांदिवली, चारकोप सेक्टर-8 कांदिवली, एंटॉप हिल-वडाला, तुंगा पवई, PMGP मानखुर्द, मालवानी मलाड और गायकवाड़ नगर मालवानी-मालाड शामिल हैं।

DCR के तहत अतिरिक्त फ्लैट्स

इसके अलावा विकास नियंत्रण नियम 33(5)(7) के अंतर्गत प्राप्त फ्लैट्स में घाटकोपर पूर्व, कन्नमवार नगर विक्रोली, एंटॉप हिल-वडाला, भायखला, ताड़देव, लोअर परेल, सायन और जेवीपीडी अंधेरी पश्चिम में फ्लैट्स बिक्री हेतु उपलब्ध कराए गए हैं।

आवेदन और भुगतान की समय-सीमा

आवेदन के लिए पहले MHADA की वेबसाइट पर रजिस्ट्रेशन अनिवार्य होगा। ऑनलाइन आवेदन जमा करने, डिपॉजिट अमाउंट और एप्लीकेशन फीस भुगतान तथा स्कीम/हाउस कन्फर्मेशन की प्रक्रिया 12 फरवरी सुबह 11 बजे से शुरू होगी। फ्लैट कन्फर्म होने के 48 घंटे के भीतर आवेदक को फ्लैट की बिक्री कीमत का 10 प्रतिशत जमा करना होगा।

पहले लॉटरी में खाली रहे फ्लैट्स

यह अवसर मुंबई बोर्ड के माध्यम से दिया जा रहा है, जिसमें वे फ्लैट्स शामिल हैं जो पहले लॉटरी के जरिए बिक्री के लिए घोषित किए गए थे, लेकिन विभिन्न कारणों से खाली रह गए थे। MHADA ने इच्छुक नागरिकों से अपील की है कि वे https://bookmyhome.mhada.gov.in पर जाकर आवेदन कर इस योजना का लाभ उठाएं।

मुंबई यूनिवर्सिटी में 'पाली भाषा' पर संग्राम

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई यूनिवर्सिटी में पाली भाषा के अस्तित्व और छात्रों के हक के लिए पिछले 5 महीनों से संघर्ष कर रहे रिसर्च स्टूडेंट भंते विमांसा के साथ हुए दुर्व्यवहार ने अब बड़े आंदोलन का रूप ले लिया है। सोमवार को मुंबई मराठी पत्रकार संघ में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में 'पाली कंजर्वेशन कोऑर्डिनेशन कमिटी' ने यूनिवर्सिटी प्रशासन और पुलिस की कार्यप्रणाली पर कड़ा विरोध जताया। कमिटी के पदाधिकारी शैलेंद्र कांबले ने आरोप लगाया कि शांतिपूर्ण विरोध कर रहे भंतेजी को न केवल मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया गया, बल्कि केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू के दौरे के दौरान सुरक्षा गार्डों द्वारा उनके साथ अमानवीय हाथापाई की गई, जिससे उन्हें ICU तक जाना पड़ा।

भंते विमांसा के अपमान के खिलाफ उग्र आंदोलन की चेतावनी

पुलिसिया कार्रवाई पर आक्रोश और 48 घंटे का अल्टीमेटम

समिति ने BKC पुलिस द्वारा 100 कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी और भंतेजी के खिलाफ दर्ज की गई 'झूठी FIR' की कड़ी निंदा की है। शैलेंद्र कांबले ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि दो दिनों के भीतर भंतेजी को यूनिवर्सिटी परिसर में कमरा आवंटित नहीं किया गया और गिरफ्तार कार्यकर्ताओं पर दर्ज केस वापस नहीं लिए गए, तो पूरे महाराष्ट्र में उग्र आंदोलन किया जाएगा।

न्याय के लिए विधान भवन कूच की तैयारी

पाली भाषा के संरक्षण की इस लड़ाई को अब अखिल भारतीय भिक्खु संघ का भी समर्थन मिल रहा है। कमिटी ने घोषणा की है कि इस मुद्दे पर वे मंगलवार को दोपहर 1 बजे विधान भवन में विधायक अन्ना बनसोड़े से मुलाकात करेंगे। पदाधिकारियों का कहना है कि यह केवल एक छात्र की मांग नहीं, बल्कि कोली और बौद्ध संस्कृति की विरासत को बचाने की जंग है।

पश्चिम रेलवे का 70वां रेल सप्ताह समारोह

92 रेलकर्मी 'विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार' से सम्मानित

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

पश्चिम रेलवे के 70वें रेल सप्ताह समारोह के उपलक्ष्य में सोमवार, 2 फरवरी 2026 को मुंबई के यशवंतराव चव्हाण सभागार में 'विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार' (VRSP) 2025 का भव्य आयोजन किया गया। इस गौरवशाली अवसर पर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक (प्रभारी) प्रदीप कुमार ने अपनी उत्कृष्ट और सराहनीय सेवाओं से विभाग का मान बढ़ाने वाले 92 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को व्यक्तिगत पुरस्कार प्रदान किए। यह वार्षिक समारोह उन रेलकर्मियों की अटूट निष्ठा और कड़ी मेहनत को समर्पित है, जो हर चुनौती का सामना करते हुए यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के लिए सदैव तत्पर रहते हैं।

कर्मठता और समर्पण को मिला प्रोत्साहन

मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन पुरस्कारों का चयन कर्मियों के असाधारण प्रदर्शन और संगठनात्मक लक्ष्यों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के आधार पर किया जाता है। महाप्रबंधक श्री प्रदीप कुमार ने अपने संबोधन में विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि पश्चिम रेलवे की हालिया उपलब्धियाँ इसके कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम हैं। उन्होंने सभी रेलकर्मियों से राष्ट्र की प्रगति में अपना सर्वोत्तम योगदान देने का आह्वान किया। इस अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मंडल रेल प्रबंधकों और विभागाध्यक्षों को भी विशेष स्मृति-चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

'गोल्डन एरा' का आगाज़

शिल्पा शेट्टी की मौजूदगी में सजेगा 9वां प्रॉपर्टी एक्सपो

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

नवी मुंबई के रियल एस्टेट इतिहास में नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। क्रेडाई बीएएनएम रायगढ़ वेलफेयर असोसिएशन ने अपने बहुप्रतीक्षित 9वें प्रॉपर्टी एक्सपो 2026 की घोषणा कर दी है। यह भव्य आयोजन 6 से 9 फरवरी 2026 तक खंडेश्वर रेलवे स्टेशन के सामने, कामोठे में आयोजित किया जाएगा। आयोजकों का मानना है कि नवी मुंबई अब केवल 'भविष्य का शहर' नहीं रहा, बल्कि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और अटल सेतु जैसे बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स के पूरा होने के साथ ही यह अपने स्वर्णिम विकास काल (Golden Growth Phase) में प्रवेश कर चुका है। इस खास मौके पर बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी विशेष अतिथि के रूप में शामिल होकर कार्यक्रम की चमक बढ़ाएंगी।

रिकॉर्ड तोड़ फुटफॉल और आर्थिक मजबूती की उम्मीद

पिछले वर्षों के शानदार ट्रैक रिकॉर्ड को देखते हुए, इस साल का एक्सपो पुराने सभी कीर्तिमानों को ध्वस्त करने के लिए तैयार है। पूर्व के संस्करणों में जहाँ 50,000 से अधिक विज़िटर्स आते थे, वहीं इस बार बुनियादी ढांचे में हुए क्रांतिकारी बदलावों के कारण यह संख्या दोगुनी होने का अनुमान है। यह एक्सपो न केवल घर खरीदारों के लिए एक मंच है, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था और रोजगार सृजन का एक बड़ा केंद्र भी बन चुका है। अब तक के आयोजनों के माध्यम से करोड़ों रुपये का निवेश क्षेत्र में आया है, जिससे रायगढ़ और नवी मुंबई की पहचान भारत के सबसे तेज़ी से उभरते रियल एस्टेट डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित हुई है। क्रेडाई बीएएनएम रायगढ़ के अध्यक्ष जीतू जगवानी और संयोजक हर्निश कारिया के अनुसार, इस एक्सपो की थीम "अपना टाइम आ गया!" क्षेत्र की वर्तमान प्रगति को सटीक रूप से दर्शाती है। एक्सपो में 70 से अधिक डेवलपर्स अपने 300 से ज्यादा प्रोजेक्ट्स को प्रदर्शित करेंगे, जिससे खरीदारों को अफोर्डेबल हाउसिंग से लेकर प्रीमियम लाइफस्टाइल प्रॉपर्टीज के बीच तुलना करने का अवसर मिलेगा।

ठाणे आरटीओ ने निकाली भव्य महिला कार व बाइक रैली

सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत जागरूकता की मुहिम

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

सड़क पर हर ज़िंदगी सुरक्षित हो और महिलाओं का सफ़र भयमुक्त रहे—इसी नेक उद्देश्य के साथ रविवार को ठाणे आरटीओ कार्यालय द्वारा एक विशेष महिला कार और बाइक रैली का आयोजन किया गया। सड़क सुरक्षा सप्ताह के अवसर पर आयोजित इस रैली ने न केवल ट्रैफिक नियमों के पालन का संदेश दिया, बल्कि 'सर्वाइकल कैंसर' जैसी गंभीर बीमारी के प्रति जागरूकता फैलाने का एक संवेदनशील और भावनात्मक प्रयास भी किया। शहर की सड़कों पर जब जागरूक महिलाओं का यह काफिला उतरा, तो हर किसी ने इस पहल की सराहना की।

विजेताओं का सम्मान और सुरक्षा का संकल्प

रैली के दौरान आयोजित प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली महिला कार चालक को 5000 रुपये, द्वितीय स्थान को 3000 रुपये और तृतीय स्थान को 2000 रुपये के साथ मेडल और सर्टिफिकेट प्रदान किए गए। साथ ही, सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए चयनित ड्राइवरों को हेलमेट देकर सम्मानित किया गया। उप आरटीओ अधिकारी रोहित काटकर, नवनाथ देठे और पिंक होलिक इंडिया की टीम ने इस आयोजन को सफल बनाने में कड़ी मेहनत की।

हेमांगिनी पाटिल के नेतृत्व में शहर भर में गूंजा संदेश

आरटीओ अधिकारी हेमांगिनी पाटिल के मार्गदर्शन में यह रैली सुबह 9 बजे आरटीओ कार्यालय से शुरू हुई। रैली नितिन जंक्शन, कैडबरी जंक्शन, उपवन लेक और काशीनाथ घानेकर नाट्यगृह जैसे मुख्य मार्गों से गुजरते हुए वापस आरटीओ कार्यालय पर संपन्न हुई। इस अभियान में 55 महिला कार चालकों और 70 दोपहिया (बाइक/स्कूटर) सवारों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। वाहनों पर लगे ट्रैफिक नियमों और सर्वाइकल कैंसर जागरूकता के पोस्टरों ने पूरे शहर का ध्यान अपनी ओर खींचा। इस मौके पर डॉ. वाणी परमार, लक्ष्मी सिंह और डॉ. सुनील बुधलानी सहित कई गणमान्य हस्तियां मौजूद रहीं।

कोलीवाड़ा के अस्तित्व पर सरकार की मुहर

ऑल इंडिया कोली सोसाइटी ने किया फैसले का स्वागत

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ऑल इंडिया कोली सोसाइटी, ठाणे जिला ने कोंकण तट के पारंपरिक कोलीवाड़ों (जिसमें चेंदानी कोलीवाड़ा भी शामिल है) के अस्तित्व और अधिकारों को आधिकारिक मान्यता देने के सरकारी फैसले का जोरदार स्वागत किया है। सोसाइटी के अनुसार, कोलीवाड़ा का फिजिकल सर्वे और सीमांकन (Demarcation) होने से वहां पीढ़ियों से रह रहे कोली परिवारों को 'अतिक्रमणकारी' बताने वाली गतिविधियों पर लगाम लगेगी। यह निर्णय विशेष रूप से उन क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण है जहाँ स्लम रीडेवलपमेंट और क्लस्टर डेवलपमेंट के नाम पर पारंपरिक गांवठाणा के अस्तित्व पर खतरा मंडरा रहा था।

हाई-लेवल कमेटी करेगी सीमाओं का निर्धारण

सरकार ने मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़ और रत्नागिरी सहित पूरे कोंकण बेल्ट में कोलीवाड़ों की सीमाओं को निश्चित करने के लिए एक उच्च-स्तरीय समिति बनाने का निर्णय लिया है। चेंदानी कोलीवाड़ा जैसे पारंपरिक क्षेत्रों में, जहां समुदाय ने सड़क चौड़ीकरण और विकास परियोजनाओं के नाम पर गांवठाणा को विस्थापित करने की कोशिशों का कड़ा विरोध किया था, अब महाराष्ट्र लैंड रेवेन्यू एक्ट, 1966 के तहत अधिकार लागू होंगे। इस फैसले से गांव के मूल ढांचे पर जबरन 'स्लम रीडेवलपमेंट प्लान' थोपने की कोशिशों के विफल होने की प्रबल संभावना है।

अस्तित्व और संस्कृति को बचाने की जंग में बड़ी जीत

ऑल इंडिया कोली सोसाइटी के अध्यक्ष आनंद प्रभाकर कोली ने जिला कलेक्टर को दिए ज्ञापन में मांग की है कि सीमांकन की प्रक्रिया में स्थानीय सामाजिक संगठनों और पारंपरिक जमात पंचायतों को भी शामिल किया जाए। क्षेत्रीय सचिव सचिन ठाणेकर ने स्पष्ट किया कि डिमार्केशन में केवल घरों को ही नहीं, बल्कि मछली सुखाने के शेड, नाव व जाल रखने की जगह और धार्मिक स्थलों को भी शामिल किया जाना चाहिए।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष योजना फलीभूत होगी। मनमाफिक स्थानांतरण या पदोन्नति हो सकती है। कार्यस्थल पर सुधार होगा। सामाजिक कार्य करने की इच्छा रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। घर-परिवार की चिंता रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। दूर से अच्छी खबर मिल सकती है।

वृष डूबी हुई रकम प्राप्त होने के योग हैं। यात्रा लाभदायक रहेगी। आय में वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में चैन रहेगा। कोई बुरी खबर मिल सकती है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। दुष्टजनों से सावधानी आवश्यक है।

मिथुन ऐश्वर्य के साधनों पर बड़ा खर्च हो सकता है। भूमि व भवन आदि के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। नौकरी में चैन रहेगा। शत्रु पस्त होंगे। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। सभी कार्य पूर्ण होंगे।

कर्क फालतू खर्च होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। धन की तंगी होगी। बेकार बातों पर ध्यान न दें। विचारों की स्पष्टता न होने से उलझनें रहेंगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। नौकरी में स्थानांतरण या परिवर्तन संभव है। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

सिंह प्रियजनों के साथ बेवजह रिश्तों में खटास आ सकती है। लोगों की अपेक्षाएं बढ़ेंगी। हताशा का अनुभव होगा। मन की बात किसी को न बतलाएं। संवेदनशीलता बढ़ेगी। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। अपरिचित व्यक्तियों पर अंधविश्वास न करें।

कन्या पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है। शैक्षणिक व शोध कार्य मनोनुकूल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। उत्साह व प्रसन्नता में वृद्धि होगी। नौकरी में कोई नया कार्य कर पाएंगे। अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। व्यापार ठीक चलेगा।

तुला नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। मेहनत का फल प्राप्त होगा। अपेक्षित कार्य समय पर पूरे होंगे। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। सुख के साधन जुटेंगे। कारोबारी लाभ बढ़ेगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड मनोनुकूल लाभ देंगे।

वृश्चिक दांपत्य जीवन सुखमय रहेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। शेयर मार्केट से आशातीत लाभ होगा। नौकरी में सहकर्मियों का साथ मिलेगा। राजकीय बाधा दूर होगी। तनाव व चिंता में कमी होगी। स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है।

धनु चोट व दुर्घटना से शारीरिक हानि की संभावना है। दुष्टजनों से दूरी बनाए रखें। बिना वजह कहासुनी हो सकती है। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। यात्रा यथासंभव टालें। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। धैर्य रखें।

मकर राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। कोई रुका काम बन सकता है। तीर्थयात्रा की योजना बनेगी। तंत्र-मंत्र में रुचि जागृत होगी। सत्संग का लाभ प्राप्त होगा। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। प्रतिद्वंद्वी शांत रहेंगे। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

कुंभ आत्मसम्मान बना रहेगा। अच्छी खबर प्राप्त होगी। कोई बड़ा काम करने का मन बनेगा। मान-सम्मान मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। घर-बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी। भूले-बिसरे साथी तथा रिश्तेदारों से मुलाकात होगी।

मीन भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। यात्रा लाभदायक रहेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। कोई बड़ा काम होने से प्रसन्नता रहेगी। समय की अनुकूलता का लाभ लें। कारोबारी लाभ बढ़ेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगी। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। निवेश शुभ रहेगा। जल्दबाजी न करें।

एकादशी: व्रतों का राजा और मोक्ष का दिव्य मार्ग

सनातन धर्म में एकादशी को केवल एक तिथि या साधारण उपवास नहीं माना गया है, बल्कि इसे समस्त व्रतों का राजा कहा गया है। शास्त्रों में स्पष्ट कहा गया है कि वैकुण्ठधाम की प्राप्ति कराने वाला, भोग और मोक्ष दोनों देने वाला तथा जन्म-जन्मांतर के पापों का नाश करने वाला यदि कोई व्रत है, तो वह एकादशी ही है। जिस प्रकार देवताओं में भगवान विष्णु, प्रकाशतत्त्वों में सूर्य और नदियों में गंगा सर्वोच्च मानी जाती हैं, उसी प्रकार व्रतों में एकादशी सर्वश्रेष्ठ है। इसी कारण इसे 'व्रतराज' की उपाधि प्राप्त हुई है।

पुराणों के अनुसार, एकादशी के दिन किया गया प्रत्येक पुण्यकर्म सामान्य दिनों की अपेक्षा अनन्त गुना फल देने वाला होता है। इस दिन किया गया दान, जप, तप, भजन और पूजन सीधे भगवान श्रीहरि तक पहुँचता है और उनकी कृपा से पूर्ण फल को प्राप्त करता है। कहा गया है कि एकादशी के व्रत से मनुष्य के सात जन्मों तक के कायिक, वाचिक और मानसिक पाप नष्ट हो जाते हैं। संसार के स्वामी भगवान विष्णु जब इस दिन भक्तों की भक्ति से प्रसन्न होते हैं, तो वे उन्हें भोग, ऐश्वर्य, शांति और अंततः मोक्ष प्रदान करते हैं।

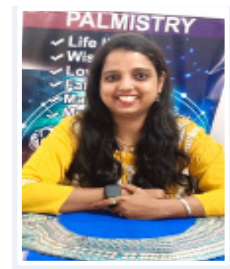

प्रियंका जैन
9769994439

एकादशी के महत्व से जुड़ी एक अत्यंत प्रसिद्ध और भावपूर्ण पौराणिक कथा मिलती है। प्राचीन काल में मुर नामक एक अत्यंत शक्तिशाली दैत्य ने देवताओं को अत्यधिक पीड़ित कर रखा था। देवता भयभीत होकर भगवान विष्णु की शरण में गए। भगवान विष्णु ने मुर दैत्य से भयंकर युद्ध किया, परंतु उस युद्ध में वे कुछ समय के लिए योगनिद्रा में चले गए। उसी क्षण भगवान विष्णु के शरीर से एक दिव्य तेज से युक्त कन्या प्रकट हुई। वह अद्भुत पराक्रम से संपन्न थी और युद्धकला में पूर्ण निपुण थी। उसकी केवल हुंकार से ही मुर दैत्य भस्म हो गया। जब भगवान विष्णु जागे और उन्होंने मुर दैत्य का अंत देखा, तो अत्यंत प्रसन्न होकर उस कन्या से वर मांगने को कहा। उस कन्या ने विनम्रता से कहा कि यदि आप प्रसन्न हैं, तो मुझे सभी तिथियों में प्रधान बनाइए, मेरे व्रत से समस्त विघ्नों का नाश हो और जो लोग उपवास तथा नियमपूर्वक मेरे व्रत का पालन करें, उन्हें आप स्वयं धन, धर्म और मोक्ष प्रदान करें। भगवान विष्णु ने यह वर सहर्ष स्वीकार किया और कहा कि जो एकादशी के भक्त होंगे, वे मेरे भी अत्यंत प्रिय भक्त कहलाएंगे। वही दिव्य कन्या एकादशी देवी के नाम से विख्यात हुई।

शास्त्रों में यह भी वर्णित है कि विशेष नक्षत्रों के योग में एकादशी का महत्व और अधिक बढ़ जाता है। पुनर्वसु नक्षत्र में आने वाली एकादशी जया कहलाती है और इसके व्रत से मनुष्य सभी पापों से मुक्त हो जाता है। श्रवण नक्षत्र में द्वादशी युक्त व्रत को विजया कहा गया है, जिसका फल सहस्त्र गुना बताया गया है। रोहिणी नक्षत्र में जयन्ती और पुष्य नक्षत्र में पापनाशिनी एकादशी अत्यंत पुण्यदायिनी मानी गई है। विशेष रूप से पुष्य नक्षत्र से युक्त एकादशी के विषय में कहा गया है कि इसके व्रत से हजार एकादशियों का फल एक साथ प्राप्त हो जाता है और इस दिन किया गया स्नान, दान, जप, हवन और स्वाध्याय अक्षय फल प्रदान करता है।

एकादशी के व्रत की महिमा इतनी व्यापक मानी गई है कि गोदान और अश्वमेध यज्ञ जैसे महायज्ञों से प्राप्त फल से भी सौ गुना अधिक फल इस व्रत के पालन से प्राप्त होता है।

न्यूज़ ब्रीफ

नई बीज नीति से बढ़ाएं प्रति हेक्टेयर उपज

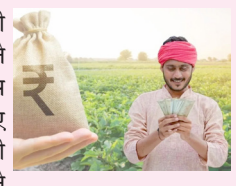

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में कृषि विकास को नई गति देने के लिए आधुनिक और प्रभावी बीज नीति तैयार करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि घटती जोत के दौर में खेती की सफलता रकबे से नहीं, बल्कि प्रति हेक्टेयर उत्पादकता बढ़ाने से तय होगी, जिसके लिए उच्च गुणवत्ता, रोग-प्रतिरोधी और जलवायु-अनुकूल बीजों की उपलब्धता अनिवार्य है।

मुख्यमंत्री ने भरोसेमंद बीज आपूर्ति सुनिश्चित करने, कृषि विज्ञान केंद्रों को बीज विकास से जोड़ने और प्रत्येक जलवायु क्षेत्र में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस विकसित करने पर बल दिया। साथ ही उन्होंने फसल विविधीकरण, सीड पार्क स्थापना और सौर ऊर्जा आधारित कृषि अवसंरचना को बढ़ावा देने के निर्देश दिए, ताकि किसान आय बढ़ा सकें और कृषि को टिकाऊ बनाया जा सके।

शिक्षक भर्ती विवाद: केशव के आवास पर अभ्यर्थियों का प्रदर्शन

लखनऊ। 69 हजार शिक्षक भर्ती प्रकरण में न्यायिक कार्रवाई में देरी से नाराज आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों ने सोमवार को उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के आवास का घेराव कर विरोध प्रदर्शन किया। अभ्यर्थियों ने नारेबाजी करते हुए धरना दिया, जिसके बाद पुलिस ने सभी प्रदर्शनकारियों को बसों के जरिए इको गार्डन धरना स्थल भेज दिया।

प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि उच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद सरकार नियुक्ति प्रक्रिया को जानबूझकर लंबित रखे हुए है। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे अभ्यर्थियों का कहना है कि वर्ष 2018 में शुरू हुई भर्ती में आरक्षित वर्ग के साथ अन्याय हुआ और अब भी न्याय मिलने में अनावश्यक विलंब किया जा रहा है, जिससे वे हताश और परेशान हैं।

वाराणसी एयरपोर्ट पर इंडिगो के जहाज की आपात लैंडिंग

वाराणसी। हैदराबाद से वाराणसी आ रही इंडिगो एयरलाइंस की उड़ान में बम होने की सूचना मिलने से रविवार को हवाई अड्डे पर हड़कंप मच गया। सुरक्षा को देखते हुए विमान की बाबतपुर स्थित लालबहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर आपात लैंडिंग कराई गई। लैंडिंग के बाद सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालकर विमान को आइसोलेशन एरिया में ले जाया गया, जहां बम निरोधक दस्ते और सुरक्षा एजेंसियों ने सघन तलाशी ली। जांच के दौरान कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली, जिसके बाद स्थिति सामान्य हुई। अधिकारियों के अनुसार विमान में मिले संदिग्ध पत्र के स्रोत और उद्देश्य की जांच की जा रही है।

बिहार: राष्ट्रीय औसत से आगे निकली विकास दर

- अर्थव्यवस्था ने पकड़ी रफ्तार, वित्त मंत्री ने पटल पर रखा आर्थिक सर्वेक्षण
- विधानसभा में पेश सर्वेक्षण में प्रति व्यक्ति आय और राजस्व में बढ़ोतरी

एजेंसी । पटना

बिहार विधानमंडल के बजट सत्र की शुरुआत के साथ ही राज्य सरकार ने वर्ष 2025-26 का आर्थिक सर्वेक्षण सदन के पटल पर रखा, जिसमें बिहार की आर्थिक प्रगति की सकारात्मक तस्वीर सामने आई है। वित्त मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने सोमवार को विधानसभा में यह सर्वेक्षण प्रस्तुत करते हुए बताया कि बिहार की विकास दर राष्ट्रीय औसत से 3.3 प्रतिशत अधिक दर्ज की गई है, जो राज्य की अर्थव्यवस्था में निरंतर मजबूती का संकेत है।

तमिलनाडु के बाद बिहार का नंबर

वित्त मंत्री ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि बिहार की विकास दर देश के अधिकांश राज्यों से बेहतर रही है और तमिलनाडु के बाद यह सर्वाधिक विकास दर वाले राज्यों में शामिल है। उन्होंने बताया कि बीते एक दशक में सरकार ने बिजली, सड़क और पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया, जबकि आगामी वर्षों में औद्योगिक विकास को प्राथमिकता दी जाएगी, ताकि रोजगार के अवसर बढ़ें और प्रति व्यक्ति आय को दोगुना किया जा सके।

GSDP 9.92 लाख करोड़ रुपये हुआ

वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव आनंद किशोर ने आर्थिक सर्वेक्षण के आंकड़ों की जानकारी देते हुए बताया कि वर्ष 2024-25 के त्वरित अनुमानों के अनुसार बिहार का सकल राज्य घरेलू उत्पाद 2011-12 के स्थिर मूल्यों पर 8.6 प्रतिशत और वर्तमान मूल्यों पर 13.1 प्रतिशत की दर से बढ़ा है। इस दौरान जीएसडीपी बढ़कर लगभग 9.92 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जो राज्य की मजबूत आर्थिक स्थिति को दर्शाता है।

प्रति व्यक्ति आय 76490 रुपये

आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार बिहार ने विकास के कई प्रमुख संकेतकों पर उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। वित्त मंत्री ने बताया कि वर्ष 2024-25 में राज्य की प्रति व्यक्ति आय बढ़कर 76,490 रुपये हो गई है, जो पिछले वर्षों की तुलना में बड़ा उछाल है।

राजस्व आय 2.18 लाख करोड़ हुई

आर्थिक सर्वेक्षण में यह भी सामने आया कि बिहार की राजस्व प्राप्ति में तेज वृद्धि हुई है। वित्त वर्ष 2020-21 में जहां राज्य की कुल राजस्व आय 1.28 लाख करोड़ रुपये थी, वहीं 2024-25 में यह बढ़कर 2.18 लाख करोड़ रुपये हो गई। कर संग्रह का हिस्सा भी लगातार बढ़ा है, जिससे राज्य की वित्तीय आत्मनिर्भरता मजबूत हुई है।

CBCID के रिटायर्ड दरोगा की हत्या

- कमरे में मिला रक्तरंजित शव, खुलासे को तीन टीमें गठित
- फॉरेंसिक साक्ष्य और सीसीटीवी के आधार पर छानबीन तेज

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जनपद में एक सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी की नृशंस हत्या से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। लालापुर थाना क्षेत्र के चकशिवचेर गांव में सीबीसीआईडी से सेवानिवृत्त दारोगा राम रतन मिश्रा (65) की उनके ही घर के कमरे में सिर कुचलकर हत्या कर दी गई। सोमवार को सुबह जब उनका शव खून से सना हुआ मिला, तो पूरे गांव में हड़कंप मच गया।

फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आसपास के लोगों से पूछताछ जारी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार राम रतन मिश्रा अपने घर के एक कमरे में सो रहे थे। सुबह काफी देर तक बाहर न आने पर परिजनों ने उन्हें जगाने का प्रयास किया, लेकिन भीतर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। जब दरवाजा खोलकर अंदर देखा गया तो कमरे के फर्श पर उनका शव पड़ा था।

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जनपद में एक सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी की नृशंस हत्या से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। लालापुर थाना क्षेत्र के चकशिवचेर गांव में सीबीसीआईडी से सेवानिवृत्त दारोगा राम रतन मिश्रा (65) की उनके ही घर के कमरे में सिर कुचलकर हत्या कर दी गई। सोमवार को सुबह जब उनका शव खून से सना हुआ मिला, तो पूरे गांव में हड़कंप मच गया।

फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आसपास के लोगों से पूछताछ जारी है।

संकटग्रस्त जलीय जीवों का पाल रही तीन राज्यों में बहने वाली चंबल

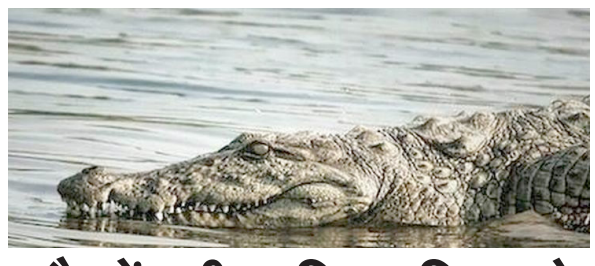

डकैतों की भूमि: दुनिया के 80% घड़ियालों का ठिकाना

आगरा। कभी दस्यु (डाकुओं) सम्राटों की शरणस्थली के रूप में पहचानी जाने वाली चंबल घाटी आज संकटग्रस्त जलीय जीवों के लिए सुरक्षित आश्रय बन चुकी है। राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में फैले लगभग 435 किलोमीटर लंबे चंबल क्षेत्र की जीवनरेखा चंबल नदी अब घड़ियाल, बटागुर कछुआ, डॉल्फिन और दुर्लभ इंडियन स्कीमर जैसे जीवों के संरक्षण का मजबूत केंद्र बनकर उभरी है। बीते एक दशक में संरक्षण प्रयासों के चलते चंबल सैंक्चुरी में जलीय जीवों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है।वर्ष 1981 में शुरू की गई घड़ियाल संरक्षण परियोजना चंबल के लिए मील का पत्थर साबित हुई। इस परियोजना के अंतर्गत घड़ियाल, मगरमच्छ, बटागुर कछुआ और डॉल्फिन के संरक्षण पर सतत कार्य किया गया। अंडों की निगरानी, हैचिंग, रेस्क्यू और पुनर्वास जैसी गतिविधियों ने चंबल को विलुप्तप्राय प्रजातियों का सबसे सुरक्षित प्राकृतिक घर बना दिया।

35 साल छकाया, अब पकड़ में आया

- 1990 में मिली जमानत के बाद हो गया था फरार
- 2017 में हत्यारोपी पर घोषित हुआ 50 हजार का इनाम

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर में पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए हत्या के मामले में पिछले 35 वर्षों से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। कमिश्नरेट क्षेत्र के कर्नलगंज थाना पुलिस ने सर्विलांस टीम के सहयोग से इस लंबे समय से लंबित मामले को सुलझाते हुए आरोपी को चकेरी थाना क्षेत्र के कोयला नगर इलाके से दबोच लिया।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार यह मामला वर्ष 1984 का है, जब कर्नलगंज क्षेत्र में पहलवानों के दो गुटों के बीच पुरानी रंजिश चल रही थी। इसी आपसी दुश्मनी के चलते चमनगंज थाना क्षेत्र निवासी शौकत ने सुल्तान नामक युवक को गोली मार दी थी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी।

कभी नहीं आया न्यायालय

कुछ समय बाद आरोपी को गोंडा जेल स्थानांतरित किया गया। वर्ष 1990 में जमानत पर रिहा होने के बाद वह अचानक फरार हो गया और न्यायालय अथवा पुलिस के समक्ष कभी पेश नहीं हुआ। लंबे समय तक गिरफ्तारी न हो पाने के कारण वर्ष 2017 में तत्कालीन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा उस पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया, लेकिन आरोपी लगातार पुलिस की आंखों में धूल झोंकता रहा।

लगातार ठिकाने बदलता रहा आरोपी

पुलिस उपायुक्त मध्य अतुल कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि जांच के दौरान पुलिस ने पुराने रिकॉर्ड खंगाले और आरोपी के पते की पुष्टि की। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी किराए के मकानों में रहकर बार-बार ठिकाने बदलता रहा। उसकी जमानत कराने वाले दोनों व्यक्तियों की मृत्यु हो चुकी थी, जिससे उसके संबंधों का सुराग लगाना और कठिन हो गया।

चकेरी, कोयलानगर से पुलिस ने दबोचा

आखिरकार कर्नलगंज थाना पुलिस और सर्विलांस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी के मोबाइल फोन को ट्रेस किया। लोकेशन मिलने पर पुलिस ने उसे चकेरी थाना क्षेत्र के कोयला नगर से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह लंबे समय बाद चकेरी में अपने एक रिश्तेदार से मिलने आया था, इसी दौरान पुलिस ने उसे पकड़ लिया।

बजट के बाद पलटा बाजार, 4.62 लाख करोड़ का इजाफा

सेंसेक्स 1,345 अंक उछला, निफ्टी ने 428 अंकों की दमदार रिकवरी दर्ज की

नई दिल्ली। बजट दिवस पर आई तेज गिरावट के बाद घरेलू शेयर बाजार ने सोमवार को जबरदस्त वापसी करते हुए निवेशकों को बड़ी राहत दी। कारोबार के दौरान मजबूत खरीदारी के दम पर सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ने निचले स्तरों से लंबी छलांग लगाई और दिन के अंत में मजबूती के साथ बंद हुए। इस तेजी के चलते निवेशकों की कुल संपत्ति में करीब 4.62 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हुआ।

दिन भर के उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के बाद सेंसेक्स 943.52 अंक (1.17%) चढ़कर 81,666.46 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 262.95 अंक (1.06%) की बढ़त के साथ 25,088.40 के स्तर पर टिक गया। कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने निचले स्तर से 1,345 अंक और निफ्टी ने 428 अंक की तेज रिकवरी दिखाई।

सेक्टोरल फ्रंट पर मेटल, एफएमसीजी और एनर्जी शेयरों में लगातार लिवाली देखने को मिली। इसके साथ ही बैंकिंग, ऑटो, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, ऑयल एंड गैस और पीएसयू सूचकांक भी हरे निशान

बीएसई में 4428 शेयर्स में ट्रेडिंग

कारोबार के आंकड़ों पर नजर डालें तो बीएसई में 4,428 शेयरों में ट्रेडिंग हुई, जिनमें 2,037 शेयर चढ़े, 2,220 गिरे और 171 स्थिर रहे। एनएसई पर 2,909 शेयरों में कारोबार हुआ, जहां 1,312 शेयर बढ़त और 1,597 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स के 30 में से 25 शेयर हरे और 5 लाल निशान में रहे, जबकि निफ्टी-50 के 39 शेयरों ने बढ़त दर्ज की।

में बंद हुए। हालांकि मीडिया, आईटी, टेक्नोलॉजी और हेल्थकेयर शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। व्यापक बाजार में भी खरीदारी का असर दिखा और मिडकैप इंडेक्स 0.70% तथा स्मॉलकैप इंडेक्स 0.30% की बढ़त के साथ बंद हुए। तेजी के असर से बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण बढ़कर 455.23 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया, जो पिछले कारोबारी दिन 450.61 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह एक ही दिन में निवेशकों को 4.62 लाख करोड़ रुपये का फायदा हुआ।

अदानी, टीएमपीवी, पावर ग्रिड में बढ़त

दिग्गज शेयरों में पावर ग्रिड कॉरपोरेशन, टीएमपीवी, अदानी पोर्ट्स, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स सबसे ज्यादा चढ़ने वालों में रहे। वहीं श्रीराम फाइनेंस, एक्सिस बैंक, मैक्स हेल्थकेयर, इंफोसिस और सिप्ला प्रमुख गिरावट वाले शेयरों में शामिल रहे। कुल मिलाकर, बजट के बाद की घबराहट से उबरते हुए बाजार ने मजबूत रिकवरी दिखाई और निवेशकों का भरोसा दोबारा कायम करने के संकेत दिए।

मारुति सुजुकी ने कीमतें बढ़ने के दिए संकेत

नई दिल्ली। देश की अग्रणी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने संकेत दिए हैं कि कच्चे माल और अन्य जिंसों की बढ़ती कीमतों का असर आने वाले समय में वाहनों के दामों पर पड़ सकता है। कंपनी का कहना है कि यदि लागत में जारी बढ़ोतरी को आंतरिक स्तर पर समायोजित करना मुश्किल हुआ, तो कीमतों में संशोधन पर विचार करना पड़ेगा।

सोमवार को ऑनलाइन प्रेस वार्ता के दौरान कंपनी के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (विपणन एवं बिक्री) पार्थो बनर्जी ने कहा कि जीएसटी दरों में कटौती के बाद बाजार में मांग मजबूत बनी हुई है। इसके बावजूद उत्पादन से जुड़ी सीमाओं के कारण कंपनी के पास फिलहाल करीब 1.75 लाख वाहनों का पेंडिंग ऑर्डर है। उन्होंने बताया कि केवल जनवरी महीने में ही 2.78 लाख से अधिक बुकिंग दर्ज की गई है।

कच्चे माल की लागत में तेज बढ़ोत्तरी

कमोडिटी कीमतों को लेकर पूछे गए सवाल पर बनर्जी ने स्पष्ट किया कि धातुओं समेत कई कच्चे माल की लागत में तेज बढ़ोतरी देखी जा रही है। मौजूदा भू-राजनीतिक परिस्थितियां भी कीमतों को प्रभावित कर रही हैं। ऐसे में कंपनी लगातार स्थिति पर नजर रखे हुए है और जरूरत पड़ने पर वाहन कीमतों की समीक्षा की जाएगी।

जनवरी में हुई रिकार्ड कारों की बिक्री

बिक्री के मोर्चे पर जनवरी महीना कंपनी के लिए रिकॉर्ड रहा। बनर्जी के मुताबिक, मारुति सुजुकी ने 2,36,963 इकाइयों की अब तक की सर्वाधिक मासिक बिक्री दर्ज की। बुकिंग में सालाना आधार पर 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है और रोजाना औसतन 9 से 10 हजार बुकिंग मिल रही हैं। निर्यात भी रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचते हुए 51,020 इकाई रहा। कंपनी की नई एसयूवी 'विक्टोरिस' ने मात्र पांच महीनों में 50,000 इकाइयों की बिक्री का आंकड़ा पार कर लिया है।

लगातार तीसरे दिन टूटा बुलियन बाजार

नई दिल्ली। घरेलू वायदा बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में लगातार तीसरे कारोबारी दिन तेज गिरावट दर्ज की गई। एमसीएक्स पर चांदी के भाव में जहां करीब 40 हजार रुपये प्रति किलो तक की टूट देखी गई, वहीं सोना भी 10 हजार रुपये से अधिक सस्ता हो गया। तीन दिनों में चांदी की कीमतें कुल मिलाकर 1.75 लाख रुपये से ज्यादा फिसल चुकी हैं, जिससे निवेशकों में सतर्कता बढ़ गई है। एमसीएक्स पर 5 मार्च डिलीवरी वाली चांदी पिछले सत्र में 2,65,652 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी। सोमवार को यह 2,67,501 रुपये पर खुली, लेकिन शुरुआती कारोबार में ही जोरदार बिकवाली के दबाव में आ गई। कारोबार के दौरान चांदी 39,847 रुपये टूटकर 2,25,805 रुपये तक लुढ़क गई।

राइट्स के साथ डीजल लोको संचालन पर करार

सेल के संयंत्रों में रेल लॉजिस्टिक्स को मिलेगा बल

नई दिल्ली। देश की प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पात कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने अपने संयंत्रों और खनन क्षेत्रों में परिवहन व्यवस्था को अधिक सुचारु और किफायती बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। इस उद्देश्य से सेल ने नवरत्न कंपनी राइट्स लिमिटेड के साथ डीजल लोकोमोटिव के संचालन और रखरखाव को लेकर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। सरकार का मानना है कि इस सहयोग से दोनों संस्थानों को अपनी मुख्य क्षमताओं पर फोकस करने, लागत में कमी लाने, लॉजिस्टिक्स दक्षता बढ़ाने और पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने में मदद मिलेगी

परिचालन जरूरतों को पूरा करने में सक्षम

इस्पात मंत्रालय के अनुसार, जहां भारतीय रेलवे तेजी से इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव की ओर बढ़ रहा है, वहीं डीजल लोको के संचालन और अनुरक्षण में राइट्स की विशेषज्ञता सेल के लिए उपयोगी सिद्ध होगी। रेलवे की आधुनिक सुविधाओं, स्पेयर पार्ट्स और प्रशिक्षित मानव संसाधन तक पहुंच के चलते राइट्स, सेल की परिचालन जरूरतों को प्रभावी ढंग से पूरा करने में सक्षम है।

लोकोमोटिव की कार्यक्षमता होगी बेहतर

यह एमओयू सेल की ओर से कार्यपालक निदेशक (प्रचालन) पी.के. बैसाखिया और राइट्स की ओर से कार्यपालक निदेशक (तकनीकी सेवाएं) संदीप जैन के बीच संपन्न हुआ। दोनों संगठनों के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में हुए इस समझौते के तहत सेल के प्लांट्स और माइंस में प्रयुक्त डीजल लोकोमोटिव बेड़े की कार्यक्षमता और विश्वसनीयता को बेहतर बनाया जाएगा।

एशिया टीम चैंपियनशिप का आज से होगा आगाज

भारतीय महिलाओं के सामने खिताब बचाने की कड़ी चुनौती

भारतीय पुरुष टीम की नजरें पोडियम पर जगह बनाने पर

एजेंसी । किंगदाओ

स्टार खिलाड़ी पीवी सिंधु के बिना कमजोर पड़ी भारतीय महिला टीम को यहां मंगलवार से शुरू हो रही बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप में खिताब बचाने में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। दूसरी ओर, पुरुष टीम पोडियम पर जगह बनाने के लिए अनुभवी खिलाड़ियों पर निर्भर रहेगी। पुरुष वर्ग में 12 जबकि महिला वर्ग में 11 टीमों हिस्सा लेंगी।

पुरुष टीम : लक्ष्य सेन, आयुष शेट्टी, किंदाबी श्रीकांत, एचएस प्रणय, थारुन मानेपल्ली, सात्विक साइराज रांकीरेड्डी, चिराग शेट्टी, पी कृष्णमूर्ति रॉय, के साइ प्रतीक और ए हरिहरन।

महिला टीम : उन्नति हुड्डा, तन्वी शर्मा, रक्षिता संतोष रामराज, मालविका बंसोड़, तृषा जॉली, गायत्री गोपीचंद, प्रिया कोंजेंगबम, श्रुति मिश्रा और तनिषा क्रैस्टो।

सिंधु चोट के कारण हटीं

भारत ने पिछले सत्र में मलेशिया में अपना पहला महिला टीम स्वर्ण जीतकर इतिहास रचा था लेकिन हाल में चोट के कारण सिंधु के हटने से उनकी पदक जीतने की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु की गैरमौजूदगी में भारतीय अभियान की जिम्मेदारी तन्वी शर्मा की अगुआई वाले खिलाड़ियों के युवा समूह पर होगी। पंजाब की 17 साल की तन्वी 2024 में चैंपियन टीम का हिस्सा थीं लेकिन उन्हें कोई मैच खेलने का मौका नहीं मिला था। अगले दो साल में तन्वी विश्व जूनियर चैंपियनशिप में रजत और अमेरिकी ओपन सुपर 300 में फाइनल तक पहुंचकर महिला एकल में बड़ी उम्मीद बनकर उभरी हैं।

उन्नति से भी उम्मीदें

उन्नति हुड्डा भी 2025 के सफल सत्र के बाद इस टूर्नामेंट में आ रही हैं। यह 18 वर्षीय खिलाड़ी पिछले साल अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 23वीं रैंकिंग हासिल करने में सफल रहीं। उन्होंने चाइना ओपन में सिंधु को भी हराया था। बीडब्ल्यूएफ सुपर 100 खिताब जीतने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय उन्नति ने 2025 में ओडिशा मास्टर्स खिताब भी जीता। मालविका बंसोड़ और रक्षिता श्री संतोष रामराज एकल में जबकि राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य विजेता गायत्री गोपीचंद और त्रीसा जॉली, प्रिया कोंजेंगबम, श्रुति मिश्रा और तनीषा क्रैस्टो युगल में चुनौती पेश करेंगी। भारत ग्रुप वाई में अपने अभियान की शुरुआत बुधवार को म्यांमार के खिलाफ करेगा जबकि इसके बाद थाईलैंड से भिड़ेगा। भारतीय पुरुष टीम 2016 और 2020 की कांस्य विजेता है। इस टीम में वही मुख्य खिलाड़ी हैं जिनकी मौजूदगी में टीम ने 2022 में थॉमस कप में ऐतिहासिक स्वर्ण जीता था। दुनिया के 13वें नंबर के लक्ष्य सेन की अगुआई वाली टीम में पूर्व नंबर एक किदांबी श्रीकांत और अनुभवी एचएस प्रणय भी हैं। ये तीनों विश्व चैंपियनशिप के पदक विजेता हैं। लक्ष्य ने पिछले साल ऑस्ट्रेलियन ओपन जीता था और हांगकांग ओपन के फाइनल में पहुंचे थे। श्रीकांत भी मलेशिया मास्टर्स और सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय में फाइनल में पहुंचे थे लेकिन प्रणय मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं।

दिल्ली कैपिटल्स की नजर लगातार चौथे फाइनल पर

10 अंक गुजरात की टीम ने आठ मैचों में पांच जीत से लिए

08 मुकाबलों में से दिल्ली ने चार मैच जीते और चार हारे

डब्ल्यूपीएल

वडोदरा। लगातार तीन बार उपविजेता रही दिल्ली कैपिटल्स की टीम महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के एलिमिनेटर मुकाबले में मंगलवार को यहां गुजरात जायंट्स से भिड़ेगी। इस मुकाबले में दिल्ली की नजर पहली बार प्लेऑफ में पहुंची गुजरात को हराकर चौथी बार फाइनल में पहुंचने की होगी।

एकमात्र टीम बनी

दिल्ली कैपिटल्स ने लीग चरण सफलतापूर्वक पार करते हुए शीर्ष तीन में जगह बनाई। इसके साथ ही वह अब तक के सभी चार सत्रों में प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने वाली एकमात्र टीम बन गई है। हालांकि मौजूदा सत्र में दिल्ली का अभियान उतार-चढ़ाव भरा रहा है, जिसमें दबदबे वाले प्रदर्शन के साथ-साथ गिरावट भी देखने को मिली। टीम ने अब तक चार मैच जीते हैं और उसे इतने में हार का सामना करना पड़ा है। दिल्ली की तेज गेंदबाज नंदिनी शर्मा ने सत्र में 14 विकेट लेने के साथ आखिरी ओवरों में प्रभावित किया है। उन्हें बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरनी (14 विकेट) का अच्छा साथ मिला है जबकि दक्षिण आफ्रीका की अनुभवी हरफनमौला मारिजाने कैप (10 विकेट) का भरोसेमंद प्रदर्शन जारी है। बल्लेबाजी में कैप की हमवतन लॉरा वोल्वार्ट (241 रन) और लिजेल ली (240 रन) ने शीर्ष क्रम में मजबूती प्रदान की है। भारतीय सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा (208 रन) के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी हालांकि चिंता का विषय बनी हुई है। पिछले मैच में कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स ने दबाव की स्थिति में फॉर्म दोबारा हासिल करके टीम को राहत दिलाई।

गुजरात की नजर जीत के चौके पर

दूसरी ओर गुजरात जायंट्स की टीम एलिमिनेटर में जबरदस्त आत्मविश्वास के साथ उतरेगी। उन्होंने लगातार तीन मैचों की हार के बाद शानदार वापसी करते हुए जीत की हैट्रिक लगाई। टीम ने इस दौरान गत चैंपियन मुंबई को 11 रन से हरा दो बार की चैंपियन टीम के खिलाफ पहली जीत से नॉकआउट में जगह पक्की की। लीग चरण के दोनों मुकाबलों में दिल्ली को हराने से भी गुजरात को आत्मविश्वास मिलेगा। इन मैचों में सोफी डिवाइन ने निर्णायक भूमिका निभाई थी। वह आठ मैचों में 17 विकेट लेकर सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज हैं।

भारत के खिलाफ खेलने से पाकिस्तान का इनकार

एजेंसी । नई दिल्ली/कराची

7 फरवरी 2026 से शुरू होने वाले टी-20 विश्व कप से ठीक पहले क्रिकेट जगत में उस समय हड़कंप मच गया, जब पाकिस्तान सरकार ने अपनी टीम को भारत के खिलाफ मैच खेलने से रोक दिया। इस फैसले के बाद अब पूरी गेंद आईसीसी (ICC) के पाले में है। सूत्रों के अनुसार, जय शाह की अध्यक्षता वाली आईसीसी अगले 48 घंटों के भीतर पाकिस्तान पर कड़ा फैसला ले सकती है। हालांकि अभी तक किसी आपातकालीन बोर्ड बैठक की आधिकारिक सूचना नहीं दी गई है, लेकिन आईसीसी ने स्पष्ट कर दिया है कि 'चुनिंदा भागीदारी' खेल भावना और वैश्विक टूर्नामेंट के नियमों के खिलाफ है। यदि पाकिस्तान अपने रुख पर कायम रहता है, तो आईसीसी उसे टूर्नामेंट से बाहर करने या भारी वित्तीय जुर्माना लगाने जैसे कड़े कदम उठा सकता है। पाकिस्तान के इस बहिष्कार पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) की ओर से भी पहली प्रतिक्रिया आई है। बोर्ड के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा कि बीसीसीआई पूरी तरह से आईसीसी के रुख से सहमत है और खेल भावना की अहमियत को समझता है। शुक्ला ने स्पष्ट किया कि जब तक आईसीसी इस मामले पर कोई अंतिम निर्णय नहीं ले लेती, बीसीसीआई कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं करेगा। दूसरी ओर, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) ने संकेत दिए हैं कि वह इस बहिष्कार के पीछे सरकार के फैसले पर आईसीसी को कोई लिखित जवाब नहीं देगा। भारतीय टीम प्रबंधन ने तय किया है कि वे आईसीसी प्रोटोकॉल का पालन करेंगे और 15 फरवरी को होने वाले मैच के लिए कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में समय पर पहुंचेंगे। तमाम विवादों और नाटकीयता के बीच पाकिस्तानी क्रिकेट टीम 7 फरवरी से शुरू हो रहे विश्व कप में हिस्सा लेने के लिए कोलंबो रवाना हो गई है। टीम की कमान संभाल रहे सलमान अली आगा ने कहा कि यह फैसला बोर्ड और सरकार का है, खिलाड़ियों का इसमें कोई दखल नहीं है।

शार्दुल, जायसवाल की मुंबई टीम में वापसी

मुंबई। कप्तान शार्दुल ठाकुर और भारतीय सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को कर्नाटक के खिलाफ रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल के लिए सोमवार को मुंबई की टीम में शामिल कर लिया गया। मुंबई की टीम चार जीत और तीन ड्रॉ से इलीट ग्रुप डी में शीर्ष पर रही जबकि कर्नाटक ने ग्रुप ए के अपने अंतिम लीग मैच में पंजाब पर रोमांचक जीत की बदौलत अंतिम आठ में जगह बनाई।

मुकाबला शुक्रवार से

यह मुकाबला 6 से 10 फरवरी तक यहां एमसीए-बीकेसी मैदान पर खेला जाएगा क्योंकि वानखेड़े स्टेडियम 7 फरवरी से शुरू हो रहे टी-20 विश्व कप के मुकाबलों की मेजबानी करेगा। रणजी ट्रॉफी के मौजूदा सत्र में जायसवाल दूसरी बार मुंबई के लिए खेलते हुए नजर आएंगे। इससे पूर्व वह राजस्थान के खिलाफ पहले दौर के मैच में खेले थे। मुंबई क्रिकेट संघ और सीनियर चयन पैनल ने चयन के लिए भारत के इस सलामी बल्लेबाज के नाम पर विचार नहीं किया था।

टीम

शार्दुल ठाकुर, यशस्वी जायसवाल, मुशीर खान, सरफराज खान, सिद्धेश लाड, अखिल हेरवादकर, आकाश आनंद, हार्दिक तमोरे, साईराज पाटिल, शम्स मुलानी, तनुष कोटियान, तुषार देशपांडे, मोहित अवस्थी, ओंकार तरमाले, दिव्यांश सक्सेना और सूर्यांश शेडगे।

न्यूज ब्रीफ

हरमनप्रीत, मंधाना, दिव्या 'बीबीसी अवॉर्ड्स' की दावेदार

नई दिल्ली। भारत की महिला विश्व कप 2025 की ऐतिहासिक जीत में अहम भूमिका निभाने वाली कप्तान हरमनप्रीत कौर और उप-कप्तान स्मृति मंधाके साथ ही उभरती शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख '2025 बीबीसी इंडियन स्पोर्ट्सवुमन ऑफ द ईयर' पुरस्कार के लिए नामांकित की गई हैं। इनके अलावा पिस्टल निशानेबाजी में सनसनी मचाने वाली सुरुचि सिंह और ट्रैक एवं फील्ड एथलीट ज्योति याराजी इस प्रतिष्ठित वार्षिक पुरस्कार के लिए नामांकित अन्य दो खिलाड़ी हैं। इन्हें खेल संपादकों, लेखकों और विशेषज्ञों की एक प्रतिष्ठित जूरी द्वारा पिछले वर्ष के प्रदर्शन के मूल्यांकन के बाद चयनित किया गया है।

सैफ अंडर-19 महिला चैंपियनशिप में भारत हारा

पोखरा। भारतीय अंडर-17 महिला राष्ट्रीय फुटबॉल टीम को सोमवार को सैफ अंडर-19 महिला चैंपियनशिप 2026 में बांग्लादेश के खिलाफ 0-2 से शिकस्त का सामना करना पड़ा। यहां पोखरा रंगशाला स्टेडियम में खेले गए मैच में बांग्लादेश के लिए दोनों गोल पहले हाफ में अर्पिता बिश्वास (29वें मिनट) और अल्पी अख्तर (40वें मिनट) ने दागे। भारत की टीम अधिक आयु वर्ग के टूर्नामेंट 'अंडर-19 चैंपियनशिप' में हिस्सा ले रही है जिससे एएफसी अंडर-17 महिला एशिया कप की तैयारी कर सके। भारतीय टीम ने अपने पहले मैच में नेपाल को 1-0 हराया था।

एशियाई राइफल और पिस्टल निशानेबाजी में भारत का सबसे बड़ा दल

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी की डॉ. कर्णी सिंह रेंज में वापसी हो रही है। भारत यहां 4 से 13 फरवरी तक एशियाई राइफल और पिस्टल चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा। इस शीर्ष महाद्वीपीय प्रतियोगिता में भारत सहित 20 देश के 311 निशानेबाज जूनियर और सीनियर वर्ग में हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता में 30 पदक दांव पर होंगे। भारत ने 118 निशानेबाजों के साथ प्रतियोगिता में सबसे बड़ा दल उतारा है। कजाखस्तान का दल 35 निशानेबाजों के साथ दूसरा सबसे बड़ा दल है। क्षेत्रीय दिग्गज देशों कोरिया, ईरान और जापान ने भी मजबूत टीमें उतारी हैं जबकि चीनी ताइपे, वियतनाम और हांगकांग के निशानेबाजों से भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। प्रतियोगिताओं के पहले दिन बुधवार को चार फाइनल होंगे जिनमें पुरुषों और महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल तथा जूनियर और युवा पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा शामिल है। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) के महासचिव पवन कुमार सिंह ने कहा, यह भारतीय निशानेबाजी के साथ-साथ एशियाई निशानेबाजों के लिए भी महत्वपूर्ण साल है क्योंकि सितंबर-अक्तूबर में एशियाई खेल और विश्व चैंपियनशिप के रूप में दो बड़ी प्रतियोगिताएं होने वाली हैं जिनमें लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए शुरुआती कोटा स्थान मिलेंगे।

बॉलीवुड

'गोलमाल 5' में दिखेंगे अक्षय कुमार

रोहित शेट्टी की ब्लॉकबस्टर कॉमेडी फ्रैंचाइज़ी 'गोलमाल' अपनी पांचवीं किस्त को लेकर पहले से ही जबरदस्त चर्चा में है। फिल्म में अजय देवगन अपनी पुरानी गैंग के साथ फिर दर्शकों को हंसी-मज़ाक और खुराफ़ाती अंदाज़ में दिखेंगे। अब खबर है कि मेकर्स इस बार एक सरप्राइज़ एंट्री के साथ रोमांच को और बढ़ाने की तैयारी कर रहे हैं, जिसने फैंस के उत्साह को और तेज कर दिया है।

शूटिंग इस महीने से शुरू होने की संभावना

'गोलमाल 5' की शूटिंग के लिए 15 फरवरी की तारीख तय की गई है। हालांकि हाल ही में रोहित शेट्टी के जुहू स्थित आवास के बाहर हुई गोलीबारी की घटना के बाद सुरक्षा को लेकर कुछ फेरबदल की भी संभावना बताई जा रही है। बावजूद इसके मेकर्स पूरी तैयारी के साथ आगे बढ़ रहे हैं। फिल्म में अरशद वारसी, तुषार कपूर, कुणाल खेमू, श्रेयस तलपड़े, जॉनी लीवर, संजय मिश्रा और मुकेश तिवारी जैसे कलाकारों की वापसी भी होगी। इसके अलावा रिपोर्ट्स के अनुसार करीना कपूर और शरमन जोशी का नाम भी पांचवीं किस्त के संभावित कास्ट में शामिल है, जिसने अपेक्षाओं को और बढ़ा दिया है। 'गोलमाल 5' को रोहित शेट्टी के स्टाइल में एक बड़ा, भव्य और मनोरंजक पैकेज बनाने की तैयारी है, जो कॉमेडी-एक्शन प्रेमियों के लिए एक बड़ा आकर्षण साबित हो सकता है।

अक्षय कुमार होंगे 'गोलमाल 5' के खलनायक

रिपोर्ट के मुताबिक, अक्षय कुमार इस फिल्म का हिस्सा बनने जा रहे हैं और वह इसमें खलनायक की भूमिका निभाएंगे। इससे न सिर्फ फिल्म की स्टार पावर बढ़ेगी, बल्कि अजय देवगन और अक्षय के बड़े पर्दे पर पुनर्मिलन को देखने का रोमांच भी फैंस के लिए खास होगा। दोनों सितारों को इससे पहले 'खाकी', 'सुहाग' और 'सिंघम' फ्रैंचाइज़ी जैसी फिल्मों में साथ काम करते देखा गया है, ऐसे में यह जुगलबंदी दर्शकों को फिर से भा सकती है।

'ओ रोमियो' का नया गाना रिलीज

अरिजीत सिंह के सुरों से सजा 'इश्क का फीवर'

बॉलीवुड अभिनेता शाहिद कपूर एक बार फिर बड़े पर्दे पर अपने तीखे और रोमांटिक अंदाज के साथ लौटने के लिए तैयार हैं। उनकी आगामी फिल्म 'ओ रोमियो' 13 फरवरी को वैलेंटाइन वीक के खास मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। फिल्म का निर्देशन मशहूर फिल्ममेकर विशाल भारद्वाज ने किया है और इसे साजिद नाडियाडवाला प्रोड्यूस कर रहे हैं। इस फिल्म में पहली बार शाहिद कपूर की जोड़ी अभिनेत्री तृप्ति डिमरी के साथ बनी है। फिल्म का नया गाना 'इश्क का फीवर' अब रिलीज कर दिया गया है, जिसमें शाहिद का स्टाइलिश और दीवाना-ए-इश्क अंदाज़ देखने को मिल रहा है। यह गाना टी-सीरीज़ के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर जारी हुआ है और रिलीज होते ही फैंस के बीच चर्चा में आ गया है। गाने में शाहिद और तृप्ति की फ्रेश केमिस्ट्री स्क्रीन पर खूब जच रही है। रोमांस के साथ हल्की जलन और जुनून का मिश्रण इस गाने को और दिलचस्प बना देता है। मशहूर गायक अरिजीत सिंह ने 'इश्क का फीवर' को अपनी आवाज दी है। गाने के बोल दिग्गज गीतकार गुलज़ार ने लिखे हैं, जबकि इसका संगीत विशाल भारद्वाज ने तैयार किया है। मेलोडी और इमोशन का संतुलन इस ट्रैक को खास बनाता है। बताया जा रहा है कि 'ओ रोमियो' की कहानी चर्चित किताब 'माफिया क्वींस ऑफ मुंबई' से प्रेरित है। फिल्म में रोमांस, ड्रामा और अंडरवर्ल्ड की पृष्ठभूमि का अनोखा मिश्रण देखने को मिलेगा। शाहिद और तृप्ति के अलावा फिल्म में नाना पाटेकर, अविनाश तिवारी, तमन्ना भाटिया, दिशा पटानी, फरीदा जलाल जैसे दमदार कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। वहीं, विक्रांत मैसी भी विशेष उपस्थिति दिखेगी।

राम का किरदार निभाने के लिए आत्मा का शुद्ध होना जरूरी

प्रभास स्टारर 'आदिपुरुष' को लेकर हुए विवादों और दर्शकों की निराशा के बाद अब हर किसी की नजर रणबीर कपूर की मेगा बजट फिल्म 'रामायण' पर टिकी है। करीब 4,000 करोड़ के बजट में बन रही इस फिल्म को लेकर फैंस के मन में उत्सुकता के साथ संशय भी है। ऐसे में टीवी के प्रतिष्ठित 'राम' अरुण गोविल ने इस मुद्दे पर खुलकर अपनी राय रखी है। खास बात यह है कि वह इस फिल्म में राजा दशरथ की भूमिका निभा रहे हैं।

रणबीर कपूर की 'रामायण' पर अरुण गोविल का बड़ा बयान

अरुण गोविल ने मीडिया से बातचीत में कहा कि किसी भी कलाकार के लिए भगवान का किरदार निभाना सिर्फ अभिनय नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है। उनके मुताबिक, भगवान की भूमिका निभाने के लिए इंसान की आत्मा का साफ और अच्छा होना बहुत जरूरी है। साथ ही वह एक अच्छा इंसान भी होना चाहिए। उन्होंने निर्देशक नितेश तिवारी की तारीफ करते हुए कहा कि पूरी टीम ने इस फिल्म पर बेहद मेहनत की है। रणबीर कपूर को लेकर उन्होंने सकारात्मक राय देते हुए कहा कि वे न केवल शानदार अभिनेता हैं, बल्कि अच्छे इंसान भी हैं और भगवान राम के रूप में प्रभावशाली लग रहे हैं। अरुण गोविल ने साफ कहा कि रणबीर कपूर की 'रामायण' की तुलना 'आदिपुरुष' से करना गलत होगा। उनके अनुसार हर निर्देशक का विजन अलग होता है और किसी एक फिल्म की असफलता के आधार पर दूसरी फिल्म को पहले से जज करना सही नहीं। उन्होंने कहा कि 'आदिपुरुष' एक अलग तरह का प्रयास था, जबकि 'रामायण' एक नया और स्वतंत्र प्रोजेक्ट है, जिसे उसी नजरिए से देखा जाना चाहिए। अरुण गोविल ने यह भी माना कि जब एक मानक स्थापित हो जाता है तो तुलना होना स्वाभाविक है।

राहुल गांधी ने लोकसभा में चीनी घुसपैठ का मुद्दा उठाया

राजनाथ और शाह भड़के, सदन स्थगित

एजेंसी । नई दिल्ली

लोकसभा में सोमवार को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने चीनी घुसपैठ का मुद्दा उठाया, जिसको लेकर हंगामा खड़ा हो गया। दरअसल, कांग्रेस सांसद ने सदन में पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की एक अप्रकाशित पुस्तक का अंश पढ़ते हुए लद्दाख में चीनी घुसपैठ का मुद्दा उठाया था। इसको लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह भड़क गए। हंगामे के बीच सदन कल तक स्थगित कर दी गई।

राहुल गांधी ने नरवणे की अप्रकाशित पुस्तक को कोट कर कहा कि चार चीनी टैंक भारतीय क्षेत्र में घुस रहे थे। वे डोकलाम की एक पहाड़ी पर कब्जा कर रहे थे। और सेना प्रमुख लिखते हैं कि टैंक कैलाश पर्वतमाला से कुछ सौ मीटर की दूरी पर थे। राहुल के इतना कहते ही रक्षा मंत्री और गृह मंत्री खड़े हो गए और किताब अप्रकाशित होने का हवाला देकर इस पर बयान देने से मना किया।

इसके बाद हंगामा बढ़ गया।

अमित शाह ने भी विरोध किया

इस बीच शाह ने कहा कि राहुल गांधी जो बता कह रहे हैं वह एक पत्रिका में प्रकाशित हुई है और नरवणे जी ने ऐसा कुछ नहीं कहा और पत्रिका कुछ भी लिख सकता है। इस पर राहुल ने कहा कि यह सब नरवणे जी ने कहा है और उनकी किताब को प्रकाशित नहीं होने दिया गया है। इस पर शाह बोले कि जो किताब प्रकाशित ही नहीं हुई है, उसका जिक्र कैसे किया जा सकता है।

शाह और राहुल में बहस, अखिलेश यादव भी बीच में बोले

शाह ने कहा कि अखबारों की कतरनें, किताबें या ऐसी अन्य चीजें जो प्रामाणिक नहीं हैं, उन्हें सदन में उद्धृत नहीं किया जा सकता है। उन्होंने राहुल गांधी से अनुरोध किया कि वे किताब का जिक्र किए बिना अपना भाषण जारी रखें। राहुल ने इस बात पर जोर दिया कि 'द कारवां' पत्रिका में पुस्तक के 100 प्रतिशत प्रामाणिक अंश हैं। हंगामे के बीच अखिलेश यादव ने भी स्पीकर से राहुल के भाषण पर रोक न लगाने का अनुरोध किया।

जनरल नरवणे ने अपनी आत्मकथा 'फोर स्टार ऑफ डेस्टिनी' में डोकलाम विवाद और गलवान घाटी के दौरान हुई घटनाओं, निर्णयों और राजनीतिक-सैन्य स्तर की चर्चाओं का जिक्र किया है।किताब अभी सरकार की अनुमति न मिलने के कारण प्रकाशित नहीं हो सकी है। हालांकि, किताब का अंश और नरवणे की बातचीत को 'द कारवां' पत्रिका ने फरवरी अंक में प्रकाशित किया है।

राजनाथ सिंह ने क्या कहा?

राजनाथ सिंह ने सदन में इसका विरोध करते हुए कहा कि वह ₹अप्रकाशित₹ पुस्तक से उद्धरण नहीं दे सकते और उनसे सदन के समक्ष इसकी प्रामाणिकता साबित करने को कहा। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष को इस विषय पर बोलने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए...मैं चाहता हूं कि लोकसभा के विपक्ष (राहुल गांधी) सदन के समक्ष वह पुस्तक प्रस्तुत करें जिसका वे हवाला दे रहे हैं, क्योंकि जिस पुस्तक का वे जिक्र कर रहे हैं वह प्रकाशित नहीं हुई है।

लोकसभा अध्यक्ष ने कई बार टोका, सभा कल तक स्थगित

हंगामे के बीच लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने नियमों का हवाला देकर राहुल गांधी को किताब का अंश पढ़ने से मना किया, जिसके बाद कांग्रेस नेता ने अपने बयान में चीन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम लिया। इसके बाद राजनाथ सिंह, शाह, केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू, निशिकांत दुबे ने टोकना शुरू किया। स्पीकर बिरला ने नियम का हवाला देकर आपत्ति जताई। इस हंगामे के बीच स्पीकर ने लोकसभा कार्यवाही मंगलवार सुबह 11 बजे तक स्थगित कर दी।

मारे गए 145 बलूच विद्रोही

भारत ने आरोपों का किया खंडन

क्वेटा। पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत में अब तक का सबसे घातक हमला हुआ है, जिसमें कम से कम 190 से अधिक लोगों की जान चली गई है। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने रविवार को बताया कि बलूचिस्तान में समन्वित हमलों के बाद पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने 40 घंटों में 145 आतंकवादियों को मार गिराया है, जबकि उसके 45 से अधिक पुलिसकर्मी मारे गए हैं। बुगती ने हमले को हाल का सबसे घातक संघर्ष बताया है।

बुगती ने क्वेटा में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि 30 जनवरी को हमले के बाद पाकिस्तान सेना ने कमान संभाली थी और और 31 जनवरी तक कई आतंकी ढेर कर दिए गए थे। उन्होंने बताया कि 31 जनवरी को 92 विद्रोही मारे गए थे, जबकि अब तक हमलों में 17 कानून प्रवर्तन कर्मी और 31 नागरिक मारे गए हैं।

पाकिस्तानी सेना ने कहा कि सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों द्वारा शहर पर कब्जे के प्रयासों को विफल किया है।

12 से अधिक जिलों पर हुए थे हमले

पाकिस्तान में प्रतिबंधित बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (BLA) ने 30 जनवरी को एक साथ क्वेटा, ग्वादर, मस्तंग, नुश्की, दलबांदिन, पंजगुर, तुंप और पसनी सहित 12 जिलों में हमला किया था। इसके बाद पूरे प्रांत में हड़कंप मच गया, लोग घरों में बंद हो गए और सड़कों पर सन्नाटा पसर गया। हिंसा के दौरान पूरे प्रांत में मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट ठप था। रेल सेवाएं निलंबित कर दी गई थीं। विद्रोहियों ने नागरिकों, जेल, थानों और अर्धसैनिक प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया था।

भारत पर लगाया आरोप

BLA ने हमलों की जिम्मेदारी लेते हुए कहा कि उसने हेरोफ या ₹काला तूफान₹ नामक एक समन्वित अभियान शुरू किया था, जिसमें प्रांत भर में सुरक्षा बलों को निशाना बनाया गया था। पाकिस्तानी सेना और गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने कहा कि हमलावरों को भारत का समर्थन प्राप्त था। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी हमलों के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराते हुए सुरक्षा बलों की प्रशंसा की और कहा कि पाकिस्तान आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखेगा।

भारत ने दिया जवाब

हमलों में भारतीय समर्थन के आरोपों का विदेश मंत्रालय ने खंडन किया है। मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक बयान में कहा, ₹हम पाकिस्तान के निराधार आरोपों को स्पष्ट रूप से खारिज करते हैं, जो उसकी आंतरिक विफलताओं से ध्यान हटाने की उसकी सामान्य रणनीति हैं। हर बार हिंसक घटना के बाद बेबुनियाद दावे दोहराने के बजाय, उसे क्षेत्र में अपने लोगों की लंबित मांगों पर ध्यान देना चाहिए। दमन, क्रूरता और मानवाधिकार उल्लंघन का उसका इतिहास सर्वविदित है।

न्यूज़ ब्रीफ

जम्मू-कश्मीर में कई स्थानों पर एनआईए के छापे

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में आतंकी गतिविधियों के लेकर सोमवार को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने कई स्थानों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने बताया कि एनआईए ने जम्मू-कश्मीर पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की मदद से प्रदेश के तीन जिलों श्रीनगर, बारामूला और बांदीपुरा में कई स्थानों पर छापे जारी हैं। सूत्रों के अनुसार, बांदीपुरा जिले के मुख्य शहरी क्षेत्र के साथ-साथ श्रीनगर के मुस्तफाबाद एचएमटी क्षेत्र में भी तलाशी ली जा रही थी।

मणिपुर में सरकार गठन पर चर्चा संभव

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के केंद्रीय नेतृत्व द्वारा तलब किये जाने के बाद मणिपुर के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के विधायक नई दिल्ली पहुंच गए हैं। माना जा रहा है कि दिल्ली प्रवास के दौरान पूर्वोत्तर राज्य में सरकार गठन की संभावनाओं पर चर्चा होगी जहां राष्ट्रपति शासन की अब तक की कानूनी मियाद अगले सप्ताह पूरी हो रही है। भाजपा नेतृत्व से उम्मीद की जा रही है कि वह अगले कुछ दिनों में यह फैसला लेगा कि मणिपुर में पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार का गठन करना है या नहीं।

रमजान के दौरान उर्दू माध्यम स्कूलों के समय में बदलाव

बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार ने रमजान के दौरान उर्दू माध्यम स्कूलों के समय में बदलाव किया है। रमजान महीने में स्कूल सुबह आठ से 12:45 बजे तक चलेंगे। यह व्यवस्था एक महीने तक लागू रहेगी। सोमवार को जारी हुए सरकारी आदेश में बताया गया है, रमजान के दौरान उर्दू माध्यम के जूनियर प्राइमरी और सेकेंडरी प्राइमरी स्कूल अब सुबह आठ बजे से दोपहर 12:45 बजे तक संचालित होंगे। यह व्यवस्था रमजान की शुरुआत की से लेकर 20 मार्च तक लागू रहेगी। निदेशालय ने स्पष्ट किया है कि यह फैसला 31 अक्तूबर 2002 को जारी स्थायी आदेश के विस्तार के तहत लिया गया है। इस फैसले पर उठ रहे सवालों के बीच राज्य के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने कहा कि इसे अल्पसंख्यकों का तुष्टीकरण कहना सही नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य उर्दू माध्यम के बच्चों को **अन्य बच्चों के बराबर लाना है।**

जनगणना में जाति सत्यापन की प्रक्रिया से जुड़ी याचिका खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को जनगणना में नागरिकों के जातिगत आंकड़ों को दर्ज करने, वर्गीकृत और सत्यापित करने की प्रकिया पर सवाल उठाने वाली याचिका पर सुनवाई से मना कर दिया। भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) सूर्यकांत और जॉयमाल्य बागची की पीठ ने केंद्र सरकार और जनगणना संचालन निदेशालय को याचिकाकर्ता के सुझावों पर विचार करने को कहा। कोर्ट ने निर्देश दिया कि जनगणना 2027 में जाति-गणना केवल स्व-घोषणा के बजाय एक सत्यापन योग्य तंत्र के आधार पर की जाए। आकाश गोयल ने जनहित याचिका दायर कर जनगणना 2027 में प्रस्तावित जाति गणना और खासकर सत्यापन योग्य तंत्र के बिना स्व-घोषणा पर निर्भरता को लेकर चिंता जताई है। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि जाति जनगणना का कोई विरोध नहीं है, लेकिन उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया केवल स्व-घोषणा पर आधारित नहीं होनी चाहिए। वकील ने तर्क दिया कि जातिगत आंकड़े दीर्घकालिक प्रकृति के होते हैं और सत्यापन के बिना उनका संग्रह जोखिम हो सकता है।

कोर्ट ने क्या जवाब दिया?

कोर्ट ने याचिकाकर्ता द्वारा उठाए गए ₹प्रासंगिक मुद्दे₹ को स्वीकार किया, लेकिन मामले पर न्यायिक रूप से विचार करने से इंकार कर दिया।

कोर्ट ने कहा कि इस पर जनगणना अधिनियम 1958 के तहत अधिकारियों द्वारा विचार किया जाना चाहिए। सीजेआई ने सैद्धांतिक रूप से याचिकाकर्ता से सहमति जताते हुए कहा कि किसी भी चीज को ऐसे प्रमाण पत्र के आधार पर शामिल या बाहर नहीं किया जाना चाहिए जिसकी प्रामाणिकता संदिग्ध या असत्यापित हो सकती है।

सुनवाई के दौरान पीठ ने अपने आदेश में याचिकाकर्ता की इस शिकायत को दर्ज किया कि जातिगत आंकड़ों को कैसे दर्ज और वर्गीकृत किया जाएगा, इस संबंध में कोई दिशानिर्देश, प्रश्नावली या पारदर्शी कार्यप्रणाली सार्वजनिक डोमेन में नहीं रखा गया है।

बिट्स पिलानी में 20 साल की छात्रा ने की खुदकुशी

पणजी। गोवा के वास्को स्थित प्रतिष्ठित संस्थान बिट्स पिलानी के कैंपस से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। रविवार देर रात संस्थान के हॉस्टल में तीसरे वर्ष की एक छात्रा ने कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, मृतक छात्रा की पहचान 20 वर्षीय वैष्णवी जितेश के रूप में हुई है। वैष्णवी मूल रूप से बेंगलुरु की रहने वाली थी और बिट्स पिलानी गोवा कैंपस में इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशंस इंजीनियरिंग के तीसरे वर्ष की पढ़ाई कर रही थी। रविवार रात करीब 11:30 बजे वेर्णा पुलिस को सूचना मिली कि वैष्णवी अपने कमरे में फंदे से लटकी पाई गई है।पुलिस अधिकारी ने एक चौंकाने वाला खुलासा करते हुए बताया कि पिछले महज दो वर्षों के भीतर इस संस्थान के परिसर में आत्महत्या का यह छठा मामला है। कैंपस में लगातार हो रही इन घटनाओं से छात्र समुदाय और अभिभावकों में गहरी चिंता और आक्रोश है।बिट्स पिलानी कैंपस में छात्रों द्वारा उठाए जा रहे इन आत्मघाती कदमों का मामला हाल ही में गोवा राज्य विधानसभा के शीतकालीन सत्र में भी उठा था। उस दौरान विपक्ष के सवालों का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने स्वीकार किया था कि छात्र परीक्षा के दबाव के कारण ऐसे घातक कदम उठा रहे हैं।

धर्मांतरण रोधी कानूनों के खिलाफ याचिका पर 12 राज्यों को नोटिस

एजेंसी । नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने धर्मांतरण रोधी कानूनों की संवैधानिकता को चुनौती देने वाली 'नेशनल काउंसिल ऑफ चर्चेज इन इंडिया' (एनसीसीआई) की नई जनहित याचिका पर सोमवार को केंद्र सरकार और 12 राज्यों को नोटिस जारी किया। एनसीसीआई की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मीनाक्षी अरोड़ा के माध्यम से दाखिल याचिका में इन कानूनों के क्रियान्वयन पर तत्काल रोक लगाने की मांग की गई है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने चार सप्ताह के भीतर जवाब तलब किया है।

पीठ ने निर्देश दिया कि एनसीसीआई की नई याचिका को इसी विषय से जुड़ी पहले से लंबित याचिकाओं के साथ संबद्ध किया जाए। मुख्य न्यायाधीश ने स्पष्ट किया कि तीन जजों की पीठ सभी संबंधित याचिकाओं पर एकसाथ सुनवाई करेगी, ताकि मुद्दे का समग्र और प्रभावी निपटारा किया जा सके।

केंद्र का रुख और अतिरिक्त दलीलें

केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि राज्य कानूनों को चुनौती देने वाली इसी तरह की याचिकाएं पहले से लंबित हैं और सरकार का जवाब तैयार है, जिसे शीघ्र दाखिल किया जाएगा। वहीं, मीनाक्षी अरोड़ा ने दलील दी कि ओडिशा और राजस्थान के अलग-अलग कानूनों को पूर्व याचिकाओं में चुनौती नहीं दी गई है,

विक्रम मजीठिया को मिली जमानत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को भारत में गिरिजाघरों (चर्च) की राष्ट्रीय परिषद की ओर से दायर एक नई जनहित याचिका सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार के साथ राजस्थान और अरुणाचल प्रदेश सहित 12 राज्यों से उनके धर्मांतरण विरोधी कानूनों की वैधता को चुनौती देते हुए जवाब मांगा। नेशनल काउंसिल ऑफ चर्चेस इन इंडिया (एनसीसीआई) की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मीनाक्षी अरोरा ने इन राज्यों के कानूनों के लागू किए जाने पर रोक लगाने की मांग की। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने एनसीसीआई की दलीलों पर ध्यान दिया और केंद्र तथा 12 राज्य सरकारों से चार सप्ताह के भीतर जवाब मांगा। नए आवेदनों को लंबित आवेदनों के साथ जोड़ने का आदेश देते हुए मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि तीन न्यायाधीशों की पीठ इन सभी पर एक साथ सुनवाई करेगी।

एसआईआर को लेकर चुनाव आयुक्त से मिलीं ममता

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दिल्ली के चुनाव आयोग कार्यालय से बाहर आते ही विवादित बयान दिया। उन्होंने कहा कि वह इस पूरे मामले से बहुत दुखी हैं। ममता ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग ने बंगाल को विशेष रूप से निशाना बनाया है और 58 लाख लोगों के नाम

मतदाता सूची से हटा दिए गए, जबकि उन्हें अपनी बात रखने का मौका नहीं दिया गया। ममता बनर्जी ने कहा मैं लंबे समय से दिल्ली की राजनीति में शामिल हूं। मैं 4 बार मंत्री और 7 बार सांसद रह चुकी हूं। मैंने कभी ऐसा अहंकारी और झूठ बोलने वाला चुनाव आयुक्त नहीं देखा। मैंने उन्हें कहा कि मैं आपके पद का सम्मान करती हूं क्योंकि किसी भी पद की स्थायित्व नहीं होती। एक दिन आपको जाना होगा। उनका कहना है कि लोकतंत्र में चुनाव एक त्योहार की तरह होने चाहिए!

सिंधु जल पर कोर्ट-कोर्ट खेल रहा पाकिस्तान

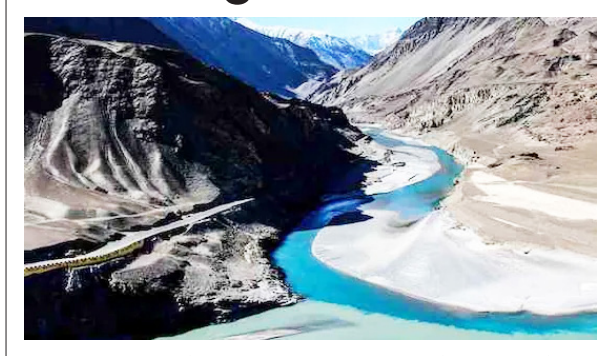

भारत ने सिंधु जल संधि आदेश मानने से किया इनकार

अंतरराष्ट्रीय अदालत को भारत ने बताया अवैध और असंवैधानिक

नई दिल्ली। भारत ने इंडस वाटर ट्रीटी (सिंधु जल संधि) से जुड़ी एक अंतरराष्ट्रीय अदालत के आदेश को मानने से साफ इनकार कर दिया है। भारत का कहना है कि जो कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन ने आदेश जारी किया है, वह अवैध और असंख्य है। उसके ढांचे को भारत मान्यता नहीं देता। अंतरराष्ट्रीय अदालत ने भारत से कहा था कि वह अपने हाइड्रोपावर प्लांटों के ऑपरेशन रिकॉर्ड (विशेष रूप से बैगलीहर और किशनगंगा परियोजनाओं के पोंटेज लॉगबुक) प्रस्तुत करे, ताकि आगे की सुनवाई में उनका उपयोग किया जा सके। इसके लिए अदालत ने 9 फरवरी 2026 तक दस्तावेज देने या अनुपालन न करने का औपचारिक स्पष्टीकरण देने का निर्देश भी दिया है।

प्रक्रिया वैध नहीं

लेकिन भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि वह इस प्रक्रिया को वैध नहीं मानता और इसमें भाग नहीं लेगा। सरकारी सूत्रों के अनुसार, यह 'कहावत की अदालत' अवैध रूप से गठित की गई है और उसका कोई वैधानिक अधिकार नहीं है। भारत ने कहा कि चूंकि सिंधु जल संधि की वैधता अभी 'अस्थायी रूप से लंबित' है, इसलिए उसके तहत कोई बाध्यकारी दायित्व भारत पर नहीं है।

68वां ग्रैमी अवॉर्ड समारोह | ऑडियो बुक, कथावाचन और किस्सागोई रिकॉर्डिंग श्रेणी में पुरस्कार

दलाई लामा ने दुनिया का प्रतिष्ठित ग्रैमी अवॉर्ड जीता

लॉस एंजिल्स। दुनिया के प्रतिष्ठित संगीत पुरस्कार '68वें ग्रैमी अवॉर्ड' समारोह में रविवार को दलाई लामा ने ऑडियो बुक, कथावाचन और किस्सागोई (स्टोरीटेलिंग) रिकॉर्डिंग श्रेणी में ग्रैमी पुरस्कार जीता।। उन्होंने इस श्रेणी में अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस केतनजी ब्राउन जैक्सन (लवली वनः ए मेमॉयर) को पीछे छोड़ते हुए अपना पहला ग्रैमी अवॉर्ड जीता। दलाई लामा 1959 में तिब्बत छोड़ने के बाद से धर्मशाला में निर्वासन में रह रहे हैं। उनको तिब्बत को मुक्त कराने के लिए उनके निरंतर, अहिंसक संघर्ष के लिए 1989 में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

चीन ने आपत्ति जताई

चीन ने सोमवार को दलाई लामा को दिए गए ग्रैमी पुरस्कार पर आपत्ति जताई और कहा कि वह तिब्बती आध्यात्मिक नेता द्वारा इस सम्मान का उपयोग 'चीन विरोधी गतिविधियों' के लिए किए जाने का कड़ा विरोध करता है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने कहा कि 90 वर्षीय आध्यात्मिक नेता धर्म के नाम पर अलगाववादी गतिविधियां चला रहे हैं। दलाई लामा तिब्बती बौद्ध धर्म के सर्वोच्च आध्यात्मिक गुरु माने जाते हैं।

इन्हें भी मिला सम्मान

'के-पॉप डेमन हंटर्स' फिल्म के गीत 'गोल्डन' ने सर्वश्रेष्ठ गीत का पुरस्कार जीता। यह पहला मौका है जब किसी के-पॉप कलाकार/समूह ने ग्रैमी जीता। संगीत फिल्म का पुरस्कार 'म्यूजिक फॉर जॉन विलियम्स' को मिला और इसी के साथ निर्देशक स्टीवन स्पीलबर्ग ने अपना पहला ग्रैमी जीता और वह आधिकारिक रूप से ईजीओटी (एमी, ग्रैमी, टोनी और ऑस्कर जीतने वाले कलाकार) बन गए।

सितार वादक अनुष्का शंकर चूक गईं

'ग्लोबल म्यूजिक परफॉर्मेंस' में ईओओ को ग्रैमी सितार वादक अनुष्का शंकर ग्रैमी पुरस्कार समारोह में दो नामांकन मिलने के बावजूद कोई पुरस्कार नहीं जीत पाईं।'ग्लोबल म्यूजिक परफॉर्मेंस' श्रेणी में बैड बनी के 'ईओओ' को पुरस्कार के लिए चुना गया।इस श्रेणी में अनुष्का के फ्यूजन बैंड 'शक्ति' के सहयोग से बने गीत 'शिरिनीज ड्रीम (लाइव)' को नामांकित किया गया था।